RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

# श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 123 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 15 फरवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## खास खबर...

### महाशिवरात्रि पर झारखंड में महाबवाल, दो समुदायों के बीच पत्थरबाजी, कई घायल, धारा 144 लागू

पलामू (एजेंसी)। झारखंड के पलामू से बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां महाशिवरात्रि से पहले दो समुदायों के बीच जबरदस्त पत्थरबाजी और आगजनी हुई है। इस घटना में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। विवाद के बाद पुलिस ने इलाके में धारा 144 लागू कर दी है। बताया जा रहा है कि शिवरात्रि के लिए पांकी की मार्किट में तोरणद्वार बनाने पर विवाद हुआ था। घटना पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र की है।

चश्मदीदों ने बताया है कि शिवरात्रि से पहले इलाके में तोरणद्वार लगाया जा रहा था। इसको हटाने को लेकर विवाद हो गया और दो समुदाय के लोग आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते मामला गर्म हो गया और दोनों ओर से पत्थरबाजी शुरू हो गई। इसी दौरान शरारती तत्वों ने पेट्रोल बम का इस्तेमाल कर कई मोटर साईकिल को आग के हवाले कर दिया। घटना के बाद इलाका पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है।

#### बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात

घटना को देखते हुए जब पुलिसकर्मी बीच बचाव कराने गए तो उनपर भी पत्थरबाजी हुई। इस दौरान कई पुलिसवाले भी जख्मी हो गए। बताया जा रहा है कि मौके पर पांकी के इंस्पेक्टर अरुण कुमार महथा और थाना प्रभारी रंजीत कुमार यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल को भी तैनात किया गया है।

#### भारी पुलिसबल तैनात, आरोपियों पर होगी कड़ी कार्रवाई- एसपी

घटना के बाद पलामू जिले के एसपी सीके सिन्हा ने कहा कि तीन थानों की टीमों की मौजूदगी से स्थिति नियंत्रण में आ गई। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## फिर बनेगी कांग्रेस की सरकार, हम हर चुनौती को तैयार-कुमारी शैलजा

**रायपुर (एजेंसी)।** 85वें कांग्रेस महाअधिवेशन की तैयारी को लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में मंगलवार को बैठक ली। इसमें सैलजा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में फिर से हमारी सरकार (कांग्रेस) बनेगी। भाजपा की केन्द्र सरकार की नजरें ठीक नहीं हैं। हमारी सरकार और मुख्यमंत्री और अधिकारी लोगों को टारगेट कर रहे हैं। हमें अपना काम अड़िग होकर काम करना है। बूथ कमेटियों का ट्रेनिंग हम लोगों के बीच लेकर जायेंगे। काई भी चुनौती हो, किसी भी चुनौती से डरना नहीं है।

उन्होंने कहा कि 85वां महाअधिवेशन के बारे में विचार विमर्श हुआ है। हमारी ही पार्टी है, जिसमें नीचे से लेकर उपर तक मेम्बरशिप होती है। बहुत लंबी प्रक्रिया चलती है। ब्लाक जिला तक का चयन होता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में अधिवेशन को बहुत बड़ी चुनौती स्वीकार किया है। कांग्रेस पार्टी नहीं पूरा देश देख रहा है कि यहां छत्तीसगढ़ में महाअधिवेशन होने जा रहा है। छत्तीसगढ़ में बहुत शानदार

महाअधिवेशन होगा। सभी मंत्री व मंत्रीगण, विधायक, पूर्व विधायक, जिला अध्यक्ष, समस्त कांग्रेसजन सभी की जिम्मेवारी है। सभी को एक साथ मिलकर काम करना है, तभी यह महाअधिवेशन सफल होगा। व्यवस्था करना सभी की बड़ी जिम्मेदारी है। एक-एक को जिम्मेदारी के साथ कार्य करना है। राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की अध्यक्षता में यह 85वां महाअधिवेशन होगा। पूर्व राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का मार्गदर्शन होगा।

उन्होंने कहा कि पूरे देशभर से 10 हजार से अधिक लोग शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ के लोगों को भी प्राथमिकता मिलना चाहिये। 24 फरवरी को स्टेयरिंग कमेटी की दूसरी मीटिंग होगी। 25 फरवरी को एआईसीसी और पीसीसी के सभी लोग शामिल होंगे और 26 फरवरी को एक बहुत बड़ा विशाल जनसभा होगी। प्रभारी बनने के बाद पहले छत्तीसगढ़ प्रवास पर जो आरक्षण पर जनसभा छत्तीसगढ़ हुई थी, उसी प्रकार उससे भी बड़ी और रिकार्डतोड़ जनसभा 26 फरवरी को करना है। दुनिया देखें, सोशल मीडिया के माध्यम से देखें। पिछले अधिवेशन से अच्छा करके दिखाना है। छत्तीसगढ़ की रहन सहन, खान-पान सबको दिखाना है। जिससे लगना चाहिये छत्तीसगढ़ में महाअधिवेशन हो रहा है।

### हमारे लिए गर्व की बातः मरकाम

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में कहा कि हमारे लिये छत्तीसगढ़वासियों के लिये सौभाग्य की बात है कि आजादी के इतने सालो बाद हमारे यहां रायपुर में राष्ट्रीय अधिवेशन होने जा रहा है। केन्द्रीय नेतृत्व ने हमे यहां कार्यक्रम दिया है। पूरे देशभर से लेकर हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सहित लगभग 10 हजार से ज्यादा लोग और एआईसीसी, पीसीसी डेलीगेट्स सभी लोग आयोजित महाअधिवेशन में शामिल होंगे।

### परिवार जैसे होगा स्वागत : सीएम भूपेश

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि सीडब्लूसी की बैठक में चर्चा हुई। दिल्ली में भी चर्चा होती रही की महाअधिवेशन कहां होगा। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी, वेणुगोपाल सभी के बीच में प्रस्ताव रखा और निमंत्रण स्वीकार किया। छत्तीसगढ़ में महाअधिवेशन का आमंत्रण दिया। वेणुगोपाल, पवन बंसल, तारिक अनवर तीनों छत्तीसगढ़ आये व्यवस्था देखें। स्वागत समिति बनी है बहुत सारे कमेटी बनी है। मंत्री एवं मंत्रीगण की मीटिंग बुलायेंगे। ईमानदारी और लगन के साथ काम करना है। यहां महाअधिवेशन में सभी साथी आयेंगे, जिनका स्वागत

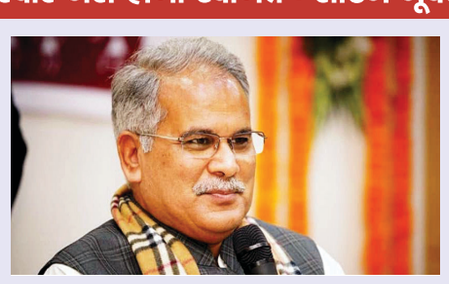

अपनेपन से होना चाहिये। राष्ट्रीय आदिवासी महोत्सव का आयोजन छत्तीसगढ़ में पिछले तीन सालो से हो रहा हैं, जिसमें विदेशी कलाकार खुशी से मीठी यादें लेकर यहां से गये। सभी को रूकने की व्यवस्था एनएसयूआई, युथ, महिला सभी को यह लगना चाहिये। इसमें सबको मिलकर सहयोग की भावना से काम करना है। विचार विमर्श होगा। बैठक में राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष के सलाहकार सफल , प्रभारी सचिव वामची रेड्डी, प्रभारी सचिवगण डॉ. चंदन यादव, सप्तगिरी शंकर उल्का, विजय जांगीर एवं मंत्रीगण मौजूद रहे।

## खड़े वाहन में जा घुसा ट्रेलर, घंटों केबिन में फंसा रहा चालक, ड्रिल मशीन से काटकर निकाला गया बाहर

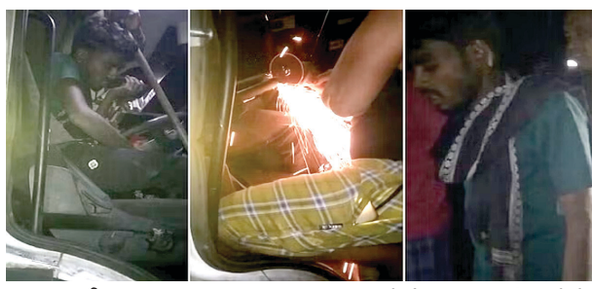

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** कोरबा के मानिकपुर मुड़ापार बाईपास पर खड़े ट्रक में एक अनियंत्रित ट्रेलर जा घुसा। हादसे में ड्राइवर ट्रेलर के केबिन में ही बुरी तरह फंस गया। घटना की सूचना पर 112 संजीवनी वाहन और 108 मानिकपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद ड्रिल मशीन से कैबिन को काटकर ड्राइवर को बाहर निकाला गया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मानिकपुर मुड़ापार बाईपास मार्ग शराब दुकान के पास बने मोड़ पर वाहनों की लंबी कतार लगी हुई थी। जहां एक ट्रेलर ने सड़क पर खड़े वाहन को ठोकर मार दिया। ट्रेलर की रफ्तार इतनी तेज थी कि वाहन का केबिन पूरी तरह से चिपक गया और उसमें चालक फंस गया। घटना रात लगभग एक बजे की है।

हादसे के बाद वाहन में फंसे चालक को देखकर स्थानीय लोगों में चीख-पुकार मच गई। आसपास की बस्ती वालों ने चालक को बाहर निकालने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बाद सूचना 112, 108 संजीवनी वाहन और मानिकपुर चौकी पुलिस को दी गई। जहां तत्काल मौके पर पहुंचे वाहन में फंसे चालक का रेस्क्यू किया गया। पुलिस ने ड्रिल मशीन मंगाकर केबिन के हिस्से को काटकर किसी तरह चालक को बाहर सुरक्षित निकाला।

मानिकपुर चौकी प्रभारी प्रहलाद राठौर ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन टीपी नगर तरफ से इमलीडुग्गु की ओर जा रहा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची जहां वाहन फंसे चालक का रेस्क्यू कर उसे बाहर निकाला गया। उन्होंने बताया कि वाहन चालक सोनू सिंह शराब के नशे में धुत था। चालक के खिलाफ कार्रवाई कर वाहन को जब्त करने की कार्रवाई की गई है।

## तीन दिवसीय मैनपाट उत्सव का रंगारंग शुभारंभ मंच पर बिखरी छत्तीसगढ़िया गीत-संगीत की संस्कृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

**अंबिकापुर।** छत्तीसगढ़ का शिमला कहे जाने वाले अंबिकापुर के मैनपाट में तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव का रंगारंग शुभारंभ मंगलवार को हो गया। नगरीय प्रशासन एवं जिले के प्रभारी मंत्री शिवकुमार डहरिया व संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने दीप प्रज्जवन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद मंच पर शैला, करमा सहित अन्य छत्तीसगढ़ी गीत-संगीत और नृत्य की छटा बिखर गई। महोत्सव के पहले दिन हजारों की संख्या में लोग मैनपाट पहुंचे हैं। तीन दिवसीय आयोजन में बॉलीवुड कलाकारों सहित लोक कलाकार अपना हुनर दिखाएंगे।

#### मंत्री ने उड़ाई पतंग

इस अवसर पर नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया और संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने विभिन्न आकार की पतंग को उड़ाकर पतंगबाजी के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर तीरंदाजी, साइकिलिंग सहित कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत विवाह सूत्र में बंधे 350 जोडों को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान मंत्री डॉ. डहरिया ने कहा कि, प्राकृतिक व सांस्कृतिक धरोहर की संरक्षण की उद्देश्य से आयोजित किए जाने वाले मैनपाट महोत्सव में छत्तीसगढ़ी व जनजातीय कला संस्कृति की झलक दिखती है। सरगुजा में कई दर्शनीय स्थल हैं, इनमें सांस्कृतिक विरासत की अनमोल धरोहर भी है। मैनपाट में बौद्ध मठ व अध्यात्म के भी दर्शन होते हैं। यहां तिब्बती बौद्ध धर्म गुरू दलाई लामा का भी दो बार पदार्पण हुआ है।

उन्होंने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रयासों से प्रदेश में छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के माध्यम से परंपरागत खेलों को पुर्नजीवित करने को प्रयास किया जा रहा है। संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि आठ साल पहले शुरू हुए मैनपाट महोत्सव का देश-प्रदेश में पहचान बनती जा रही है। महोत्सव में स्थानीय कला संस्कृति को देखने का अवसर मिलने के साथ ही क्षेत्र के विकास के कार्य भी हो रहा है।

#### कई कलाकार मचाएंगे धूम

मैनपाट महोत्सव की पहली शाम को मशहूर बॉलीवुड सिंगर शशि सुमन, सुमेधा करमहे और मान्या नारंग की सुमधुर सुरों की महफिल सजेगी। महोत्सव के दूसरे दिन 15 फरवरी को भोजपुरी गायक पवन सिंह व इंडियन कॉमेडियन सुनिल पाल धूम मचाएंगे। कार्यक्रम में बचपन का प्यार फेम सहदेव दिर्दो, छत्तीसगढ़ी लोक गायिका आरू साहू व जशमीत कौर, लिटिल चैंप गायक प्रियांशु मिश्रा, अमन श्रीवास्तव, क्लासिकल डांसर रित्विका बनर्जी, छत्तीसगढ़ी लोक संगीत लोरिक चंदा, गायक चंदन दास ब्रजेष बैण्ड एवं पियानों वादन रजी मोहम्मद के द्वारा की जाएगी।

## अब महिला क्रिकेटरों को ट्रेनिंग देंगी टेनिस खिलाड़ी, आरसीबी की मेंटर बनीं सानिया मिर्जा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा को महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम का मेंटर नियुक्त किया गया है। आरसीबी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से बुधवार को इसकी पुष्टि की। टेनिस खिलाड़ी सानिया ने इस पर बताया कि वह खुद इस बात से हैरान थीं कि उन्हें क्रिकेट टीम की मेंटर बनने का ऑफर मिला है, लेकिन बाद में उन्होंने इसे स्वीकार किया।

आरसीबी के ट्वीटर हैंडल पर लिखा गया महिलाओं के लिए भारतीय खेलों में अग्रणी, एक युवा आइकन, जिसने अपने पूरे करियर में निडर होकर खेला और बाधाओं को पार किया है, जो मैदान के अंदर और बाहर एक चैंपियन हैं। आरसीबी महिला क्रिकेट टीम की मेंटर के रूप में सानिया मिर्जा का स्वागत करते हुए हमें गर्व हो रहा है।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम की मेंटर बनने के बाद सानिया ने टीम के लिए बातचीत में कहा मैं थोड़ा हैरान थी, लेकिन मैं उत्साहित थी। सौभाग्य से या दुर्भाग्य से, मैं 20 वर्षों से एक पेशेवर एथलीट हूं। मेरा अगला काम युवा महिलाओं और युवा लड़कियों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश करना है कि खेल उनके लिए करियर के पहले विकल्पों में से एक हो सकता है।

13 फरवरी को विमेंस प्रीमियर लीग की नीलामी में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने स्मृति मंधाना को 3.4 करोड़ में खरीदा और वह इस लीग के इतिहास में बिकने वाली पहली खिलाड़ी बनीं। इसके साथ ही मंधाना लीग की सबसे महंगी खिलाड़ी भी हैं। इस टीम में मंधाना के अलावा सोफी डिवाइन, एलिस पेरी, रेणुका सिंह और ऋचा घोष भी हैं।

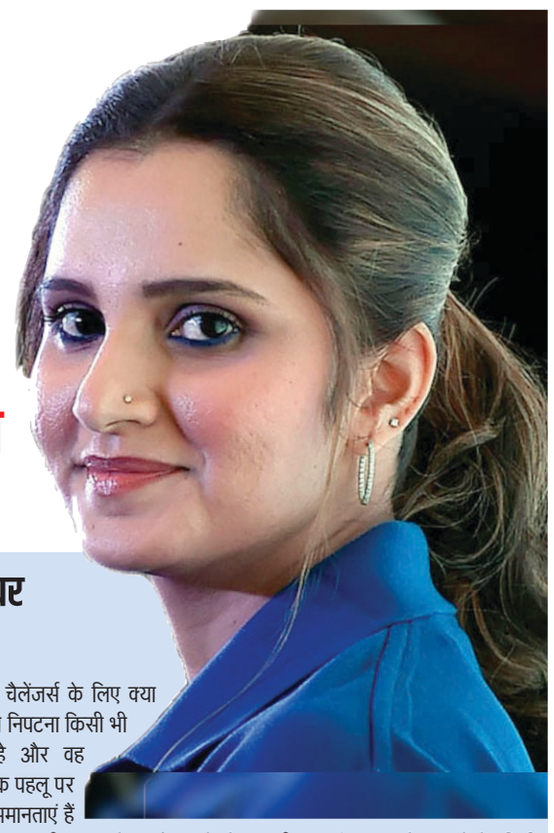

### मानसिक पहलू पर करेंगी काम

यह पूछे जाने पर कि वह रॉयल चैलेंजर्स के लिए क्या लाएंगी, मिर्जा ने कहा कि दबाव से निपटना किसी भी खेल में सबसे अहम पहलू है और वह खिलाड़ियों के साथ उनके मानसिक पहलू पर काम करेंगी। उन्होंने कहा इतनी समानताएं हैं (क्रिकेट और टेनिस के बीच)। हर एथलीट एक जैसा सोचता है, वे एक ही तरह के दबाव से गुजरते हैं। सिर्फ दबाव की स्थितियों को संभालना, उन्हें स्वीकार करना बहुत जरूरी है। दबाव एक खास चीज है, अगर आप इसे स्वीकार नहीं कर सकते, तो आप दबाव में बेहतर नहीं हो सकते। सबसे बड़े चैंपियन वे हैं जो दबाव को झेल सकते हैं।' सानिया ने आगे कहा इसका वह पहलू, मानसिक पहलू कुछ ऐसा है जिसे मैं लड़कियों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। आईपीएल ने पुरुषों के क्रिकेट के लिए जो किया है, अगर वह महिला क्रिकेट के लिए किया जा सकता है, तो खेल खेलना युवा लड़कियों के लिए एक स्वाभाविक विकल्प बन सकता है।

## उदारता से संकीर्णता की ओर

श्रीकंचनपथ

भारत एक उदार देश है. एक राष्ट्र को वहां की अवाम का पुरुषार्थ गढ़ता है। देश की आजादी में, आजादी के बाद देश को मजबूत करने में सभी का बराबर का योगदान रहा है। यह हम सभी अच्छी तरह जानते हैं। दबी जुबान से भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग काफी समय से उठ रही है। पर अब जबकि केन्द्र में भाजपा की पूर्णबहुमत की सत्ता है तब संघ अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने की अंतिम कोशिश करेगा, इसमें किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए. यह कोशिश पहले क्यों नहीं की गई? इसका जवाब रोचक हो सकता है। 2019 के आम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को अब तक का सबसे अधिक 37.43 प्रतिशत वोट मिला। भाजपा ने 303 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज कर पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 353 सीटें हासिल की। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए का कुल वोट शेयर 45 प्रतिशत था। यह भाजपा की अब तक की सबसे बड़ी जीत थी. यहां तक पहुंचने में भाजपा ने कई उतार चढ़ाव देखे हैं। 1980 में जनता पार्टी में जनसंघ का विलय हो गया और भाजपा अस्तित्व में आया। 1984 के चुनाव में भाजपा ने लोकसभा की दो सीटें जीतकर अपना खाता खोला. भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने अपनी पूरी ताकत लगा दी और 1989 में पार्टी 86 सीटों तक पहुंच गई। आडवाणी के श्रीराम मंदिर रथयात्रा के बाद 1991 में पार्टी ने 120 सीटों पर जीत हासिल कर ली। इसके बाद 1998 में भाजपा ने 182 सीटें जीत लीं। कारगिल युद्ध के बाद 1999 के आम चुनाव में भाजपा ने इसे कायम रखा। इस जीत पर विराम लगा 2004 में जब भाजपा की सीटें घटकर 138 हो गईं। 2009 में हुए चुनाव में उसकी सीटें कुछ और कम होकर 116 रह गईं। पर 2014 के चुनाव में उसने सूद समेत इसकी वसूली की और 282 सीटों पर जीत हासिल कर ली। यह कुल सीटों का 52 प्रतिशत था। 2019 के चुनाव में यह आंकड़ा 303 तक जा पहुंचा। केन्द्र में भले ही भाजपा का डंका बज रहा हो पर राज्यों के बारे में भी यही बात नहीं कही जा सकती। भाजपा के हाथ से पंजाब, हिमाचल, दिल्ली एमसीडी और छत्तीसगढ़ निकल गया. छत्तीसगढ़ में स्थिति सबसे खराब है। इसलिए वोटों का ध्रुवीकरण यहां जरूरी है। इसी साल दिसम्बर में छत्तीसगढ़ में चुनाव होने हैं। 2024 में आम चुनाव भी होने हैं. इससे पहले कि केन्द्र में समीकरण बिगड़े हिन्दू राष्ट्र का एजेंडा निकालने का यही माकूल वक्त है. अब तक नेपाल विश्व का एकमात्र घोषित हिन्दू राष्ट्र था जिसे 2008 में धर्मनिरपेक्ष घोषित कर दिया गया। भारत में संत हिन्दू राष्ट्र के संविधान का मसौदा तैयार कर रहे हैं। वैसे दुनिया में घोषित तौर पर 27 इस्लामिक और 13 ईसाई देश हैं। अमरीका, फ्रांस, मेक्सिको, दक्षिण कोरिया और भारत सहित 106 देश धर्म निरपेक्ष हैं। ब्रिटेन के 39 प्रतिशत लोग किसी भी धर्म को नहीं मानते।

## संपादकीय

### महिला क्रिकेट की बारी

रविवार को महिला ट्वंटी-20 विश्व कप के अपने पहले ही मैच में पाकिस्तानी टीम को सात विकेट से शिकस्त देकर भारतीय महिला क्रिकेटरों ने जिस प्रतिभा क्षमता का परिचय दिया था, उसके बाद तो कोई संदेह ही नहीं रह गया था कि सोमवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में उन पर धनवर्षा न होगी। पहली बार हुई महिला क्रिकेटरों की इस नीलामी ने उम्मीद के अनुरूप देश-विदेश की 87 महिला खिलाड़ियों को लखपति-करोड़पति बना दिया। इनमें से 20 खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि मिली है। जाहिर है, यह बेहद उत्साहजनक शुरुआत है और इसके लिए बीसीसीआई की सराहना की जानी चाहिए। साल 2008 में शुरू आईपीएल ने जिस तरह से भारतीय क्रिकेट और क्रिकेटरों को समृद्ध किया है, वह अपने आप में एक मिसाल है, बल्कि इसने तो इस पूरे उप-महाद्वीप की खेल-संस्कृति को बदलने का काम किया है। ऐसे में, बहुत समय से कहा जा रहा था कि इस बदले हुए माहौल का लाभ महिला क्रिकेटरों को भी मिलना चाहिए। भारतीय एथलेटिक्स में महिला खिलाड़ियों की पहचान तो दशकों से रही है, लेकिन क्रिकेट और हॉकी में उन्होंने हालिया दमखम से सत्ता प्रतिष्ठानों और निवेशकों के साथ-साथ बड़ी तादाद में दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। इस लिहाज से डब्ल्यूपीएल की बेहतर शुरुआत हुई है। हालांकि, कुछ लोगों को शिकायत है कि पुरुष क्रिकेटरों के मुकाबले महिला खिलाड़ियों को कम अनुबंध राशि मिली। मगर इसके पीछे के तथ्यों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। अव्वल तो आईपीएल डेढ़ दशक पुराना आयोजन है और यह प्रतिस्पर्द्धा पूरी तरह बाजार संचालित है। फिर तथ्य यह भी है कि पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के कप्तान व दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक बाबर आजम को पाकिस्तान सुपर लीग में इस 'सीजन' के लिए जितनी रकम मिली है, उससे कहीं अधिक धनराशि छह भारतीय महिला क्रिकेटरों ने बटोरी है। दीप्ति शर्मा और स्मृति मंधाना ने तो उनसे दोगुनी-तिगुनी कमाई की है। वैसे भी, बीसीसीआई पहले ही एलान कर चुका है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिस्पर्द्धाओं में महिला खिलाड़ियों की मैच फीस अब पुरुष क्रिकेटरों के बराबर ही होगी। आईपीएल ने छोटे-छोटे शहरों-कस्बों की अनेक प्रतिभाओं को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय फलक पर स्थापित किया है। ऐसे में, डब्ल्यूपीएल से भी यही अपेक्षा की जाएगी कि वह देश की प्रतिभाशाली बेटियों को अधिक अवसर मुहैया कराएगा और उन्हें करियर के रूप में इस खेल को चुनने के लिए प्रेरित करेगा। सोमवार की नीलामी से प्रसन्न भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने सही कहा है कि पहले महिला क्रिकेटर जल्द ही मैदान को इसलिए अलविदा कह जाती थीं, क्योंकि उन्हें लगता था कि उनके पास अवसरों की कमी है, मगर अब डब्ल्यूपीएल उन्हें अपना करियर आगे ले जाने के लिए प्रेरित करेगा। न सिर्फ खेल के मैदान में, बल्कि उसके बाहर भी कमेंट्री बॉक्स से लेकर कोचिंग के क्षेत्र तक, उनके पास कई मौके होंगे। कोई दोराय नहीं कि लड़कियों के लिए खेल में करियर बनाने का संघर्ष लड़कों से कहीं ज्यादा है। मगर डब्ल्यूपीएल की सफलता और करोड़पति भारतीयों में महिला क्रिकेटरों की बढ़ती संख्या अनगिनत लड़कियों को इस विधा की ओर आकर्षित करेगी। आगाज अच्छा हुआ है, तो सुखद भविष्य की उम्मीद बांधी ही जानी चाहिए।

> दीप्ति शर्मा और स्मृति मंधाना ने तो उनसे दोगुनी-तिगुनी कमाई की है। वैसे भी, बीसीसीआई पहले ही एलान कर चुका है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिस्पर्द्धाओं में महिला खिलाड़ियों की मैच फीस अब पुरुष क्रिकेटरों के बराबर ही होगी। आईपीएल ने छोटे-छोटे शहरों-कस्बों की अनेक प्रतिभाओं को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय फलक पर स्थापित किया है। ऐसे में, डब्ल्यूपीएल से भी यही अपेक्षा की जाएगी कि वह देश की प्रतिभाशाली बेटियों को अधिक अवसर मुहैया कराएगा और उन्हें करियर के रूप में इस खेल को चुनने के लिए प्रेरित करेगा।

### नए राज्यपालों पर विपक्ष की नजर

गैर भाजपा दलों के शासन वाले जिन राज्यों में राज्यपालों से सरकार का टकराव चल रहा था उनमें से कई राज्यों में राज्यपाल बदल गए हैं। हालांकि तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना में राज्यपाल नहीं बदले हैं, जहां राज्य सरकार और राजभवन में सर्वाधिक टकराव है। लेकिन बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में राज्यपालों के बदले जाने का भी बड़ा संकेत है। महाराष्ट्र में भाजपा की सरकार है लेकिन वहां भी राज्यपाल बदले जाने का जश्न मनाया जा रहा है क्योंकि भाजपा और एकनाथ शिंदे गुट की सरकार के साथ साथ दोनों पार्टियों के नेता राज्यपाल के विवादित बयानों से चिंता में थे और उनको लग रहा था कि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी दोनों पार्टियों को बड़ा नुकसान पहुंचा रहे हैं।

विपक्षी शासन वाले राज्यों में सत्तारूढ़ दल के नेताओं को उम्मीद है कि नए राज्यपाल से उनको राहत मिलेगी। झारखंड के एक नेता ने कहा कि जिस तरह पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार को राहत मिली है वैसी राहत मिल जाए तो काम आसान हो जाएगा। गौरतलब है कि जगदीप धनखड़ जब तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे तब तक ममता बनर्जी सरकार को बड़ी मुश्किल हुई। राजभवन से लगातार सरकार को कठघरे में खड़ा किया। लेकिन जब से सीवी आनंदा बोस राज्यपाल होकर गए हैं तब से पश्चिम बंगाल में शांति है। क्या ऐसी शांति झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश आदि राज्यों रहेगी?

बिहार में राज्यपाल फागू चौहान और बिहार सरकार के बीच कई मुद्दों पर बड़ा टकराव रहा। खास कर विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर। आरोप लगे थे कि राज्यपाल पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को लाकर भर रहे हैं। बाद में राज्य सरकार ने कुलपतियों की नियुक्ति के नियम बदले। नए बनने वाले विश्वविद्यालयों के लिए ऐसे नियम बनाए गए, जिनसे कुलपतियों की नियुक्ति में राजभवन की भूमिका समाप्त हो गई।

छत्तीसगढ़ और झारखंड में एक जैसा विवाद है। दोनों राज्यों में विधानसभा से पास किए गए विधेयक मंजूरी के लिए राज्यपाल के पास लंबित हैं। छत्तीसगढ़ में तो मामला अदालत में पहुंच गया। राज्य सरकार ने आरक्षण की सीमा बढ़ाने का बिल पास किया है। राज्य में आरक्षण की सीमा बढ़ा कर 76 फीसदी की गई है। इसका बिल राज्यपाल के पास लंबित है। दिसंबर में मंजूरी के लिए भेजे गए बिल पर राज्यपाल की स्वीकृति नहीं मिलने पर सरकार हाई कोर्ट में गई है, जहां राजभवन की ओर से कहा गया है कि किसी भी मामले में राष्ट्रपति और राज्यपाल को अदालत में पक्षकार नहीं बनाया जा सकता है। छत्तीसगढ़ में इस साल चुनाव हैं इसलिए राज्य सरकार जल्दी से जल्दी बढ़ा हुआ आरक्षण लागू करना चाहती है। इसी तरह का मामला झारखंड में भी है। वहां भी स्थानीयता कानून विधानसभा से पास हुआ है, जिसमें 1932 के खतियान वालों को मूलवासी मानने का प्रावधान है पर राज्यपाल ने बिल नहीं मंजूर किया। यहां तक वित्त विधेयक भी वापस लौटा दिया। दोनों राज्यों में सत्तारूढ़ दल उम्मीद कर रहे हैं कि नए राज्यपाल के आने से शायद स्थिति सुधरे।

> सरकार ने चालू वित्त वर्ष में आयकर और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), दोनों मोर्चों पर उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। इतना ही नहीं, उर्वरक की वैश्विक कीमतों में कमी के कारण अनुमानित सब्सिडी बिल में भी कमी आई है। नतीजतन, बीते कई वर्षों में पहली बार सरकार के पास संसाधन मुहैया कराने का विकल्प था। मगर उसने इसका इस्तेमाल कुल पूंजीगत खर्च को बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये करने के लिए किया, जो 2019-20 की तुलना में करीब तीगुना था।

# रक्षा बजट बढ़ाए बिना मजबूती की ओर

प्रणय कोटास्थाने, डिप्टी डायरेक्टर, तक्षशिला इंस्टीट्यूशन

इस महीने एक और रक्षा बजट बिना किसी शोर-शराबे के जल्दी निकल गया। तब से विश्लेषकों का ध्यान इसी बात पर है कि कैसे आने वाले वर्ष के लिए रक्षा खर्च पिछले साल से अलग है? कई ने इसकी आलोचना की है, क्योंकि बीते कई वर्षों में पहली बार रक्षा खर्च सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का दो फीसदी भी नहीं है। वहीं दूसरी तरफ, बजट के बाद रक्षा मंत्रालय की ओर से आया बयान ऑपरेशनल खर्च में की गई 44 फीसदी की वृद्धि को अहम मान रहा है। कहा गया है कि यह युद्धक क्षमताओं की कुछ कमियों को पाट देगा और सेना को गोला-बारूद, हथियारों व सैन्य भंडार से लैस करेगा। मंत्रालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि पिछले पांच वर्षों में आधुनिकीकरण व बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पूंजीगत खर्च में 57 फीसदी की अच्छी वृद्धि की गई है। अब सवाल यह है कि इन परस्पर विरोधी तर्कों का आखिर क्या अर्थ निकाला जाए?

साल-दर-साल किए जाने वाले आवंटन का यदि तुलनात्मक अध्ययन करें, तो हमें एक उलझी तस्वीर मिलती है। कोई भी अपने तर्कों के अनुरूप बजट से आंकड़ा खोज सकता है। मगर हम एक कदम पीछे लें और आंकड़ों में न उलझें, तो पता चलेगा कि इस बजट में रक्षा संबंधी नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है, और जापान के विपरीत, जिसने अगले पांच वर्षों में अपने सैन्य खर्च को दोगुना करने की घोषणा की है, भारत का नजरिया अपने सशस्त्र बलों की कार्रवाई संबंधी दक्षता में धीरे-धीरे सुधार लाना है।

इसे समझने के लिए वित्त वर्ष 2016 को पैमाना बनाते हैं। वह वर्ष काफी महत्वपूर्ण था, क्योंकि वह दो प्रमुख घटनाओं से पूर्व का साल था- पहली घटना थी, सीमा पर चीन की आक्रामक मुद्रा और दूसरी, 'वन रैंक, वन पेंशन' की मंजूरी के बाद बजट पर पड़ने वाला भार। इस विश्लेषण से तीन निष्कर्ष निकलते हैं।

पहला, न केवल रक्षा खर्च जीडीपी के अनुपात में गिरा है, बल्कि यह सरकारी व्यय के प्रतिशत के रूप में भी कम हुआ है। दूसरे शब्दों में कहें, तो गैर-रक्षा कार्यों की तुलना में रक्षा कार्य प्राथमिकता की सूची में नीचे आ गए हैं। दूसरा निष्कर्ष, चीन की चुनौती ने रक्षा खर्च में कोई प्रभावशाली बदलाव नहीं किया है। रक्षा खर्च को मुख्यत: चार घटकों में बांटा जा सकता है- वेतन, पेंशन, पूंजीगत खर्च और अन्य। आंकड़े बताते हैं कि बीते कुछ वर्षों में पेंशन मद में खर्च बढ़ने से पूंजीगत खर्च कम हो रहा था। लगातार दो वर्षों (वित्त वर्ष 19 और 20) में पूंजीगत अधिग्रहण और आधुनिकीकरण की तुलना में पेंशन पर अधिक पैसा खर्च किया गया। गलवान संकट के बाद, वित्त वर्ष 21 से संतुलन साधने का मामूली प्रयास किया गया है। यहां महत्वपूर्ण यह भी है कि कार्रवाई संबंधी खर्च और रखरखाव संबंधी व्यय की कीमत पर पेंशन और पूंजीगत व्यय में खर्च बढ़ाए गए हैं। इसमें गोला-बारूद भंडार पर होने वाला खर्च भी शामिल है, जिस पर कम ध्यान दिया गया था। इसलिए आश्चर्य की बात नहीं है कि हालिया बजट में लड़ाकू क्षमताओं में वृद्धि के रूप में इस कमी को पाटने का प्रयास किया गया है।

तीसरा, पूंजीगत खर्च के मामले में यह अवधि भारतीय नौसेना के लिए अपेक्षाकृत बेहतर रही। चूंकि कई वर्षों से नए प्लेटफॉर्म (आपूर्ति, प्रौद्योगिकी या सेवाओं की खरीद-बिक्री) पर ध्यान दिया जाता रहा है, इसलिए यह देखना दिलचस्प था कि आखिर किस तरह से पूंजीगत व्यय को तीनों सशस्त्र सेनाओं में बांटा गया। आंकड़े बताते हैं कि बीते चार वर्षों में बड़ा बदलाव भारतीय नौसेना के हिस्से में पूंजीगत खर्च के रूप में आया है, क्योंकि वित्त वर्ष 20 की तुलना में वित्त वर्ष 24 में उसका यह आंकड़ा दोगुना हो गया है।

पिछले पांच वर्षों में इन बिंदुओं को जोड़ने से एक स्पष्ट तस्वीर उभरती है। लगता यह है कि सरकार मानने लगी है कि रक्षा खर्च को ज्यादा बढ़ाए बिना चीन को नियंत्रित किया जा सकता है। हालिया बजट इस दावे का एक संकेतक हो सकता है। यह महामारी के बाद का पहला बजट था, वह भी ऐसे समय आया था, जब भारत के लिए आर्थिक संभावनाओं में काफी सुधार हुआ है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में आयकर और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), दोनों मोर्चों पर उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। इतना ही नहीं, उर्वरक की वैश्विक कीमतों में कमी के कारण अनुमानित सब्सिडी बिल में भी कमी आई है। नतीजतन, बीते कई वर्षों में पहली बार सरकार के पास संसाधन मुहैया कराने का विकल्प था। मगर उसने इसका इस्तेमाल कुल पूंजीगत खर्च को बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये करने के लिए किया, जो 2019-20 की तुलना में करीब तीगुना था। इस वृद्धि के बावजूद, रक्षा बजट एकदिवसीय क्रिकेट मैच में मध्य ओवरों के खेल के समान दिख रहा है।

वित्तीय बचत के नजरिये से देखें, तो रक्षा क्षेत्र में इस अवधि में केवल दो महत्वपूर्ण बदलाव हुए। पहला, अग्निपथ योजना की घोषणा, जिसमें पेंशन का बोझ बेशक कम हो सकता है, लेकिन यह बचत डेढ़ दशक के बाद ही दिखाई देगी। दूसरा, थिएटर कमांड जैसे अन्य प्रस्ताव, जो अभी तक साकार नहीं हुए हैं। आधुनिकीकरण के लिए एक नॉन-लैप्सेबल फंड (वह फंड, जिसका पैसा साल गुजर जाने के बाद वापस नहीं लौटता, बल्कि अगले साल के लिए इस्तेमाल लायक बना रहता है) बनाने का प्रस्ताव भी हालिया बजट में जगह नहीं पा सका, जबकि इसे केंद्र सरकार ने फरवरी, 2021 में ही सैद्धांतिक रूप से मंजूर कर लिया था।

चीन के खिलाफ भारत की रणनीतिक मुद्रा का अनुमान लगाने की नजर से यदि हालिया बजट को देखेंगे, तो संभवत: निराशा हाथ लगेगी। शायद सरकार इसके लिए शासन-कला के अन्य उपकरणों- राजनयिक, आर्थिक या गैर-पारंपरिक- को अधिक उपयुक्त मान रही है। इस पर गहन चिंतन की दरकार है। ऐसा इसलिए, क्योंकि कई संसदीय स्थायी समितियों और रक्षा संगठनों की सिफारिश है कि रक्षा खर्च को सकल घरेलू उत्पाद का तीन प्रतिशत तक बढ़ाया जाना चाहिए। वजह चाहे जो भी हो, लेकिन असलियत इसके विपरीत है। फिर भी, हम उम्मीद करते हैं कि चीन से मिलने वाले खतरे का मुकाबला करने के लिए सरकार अन्य उपायों में भारी निवेश कर रही होगी।

**(ये लेखक के अपने विचार हैं)**

# हर साल छोटे-बड़े लाखों भूकंप से कितना सीखते हैं हम

वीरेंद्र कुमार पैन्यूली, सामाजिक कार्यकर्ता

सोमवार 6 फरवरी, 2023 के सूर्योदय के पहले ही जब लोग सो रहे थे, कड़ाके की सर्दी-बर्फबारी जारी थी, तब तुर्किये और सीरिया में रिक्टर पैमाने पर 7.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने कहर बरपा दिया। आज भी वहां एक के बाद एक आते छोटे भूकंपों का क्रम जारी है। जान गंवाने वालों की संख्या लगभग चालीस हजार के करीब पहुंच रही है। घायल भी हजारों हजार में हैं। अब भी हजारों लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका बनी हुई है, और राहत-कार्य जारी है।

7.8 तीव्रता के भूकंप के बाद चौबीस घंटे से कम समय के भीतर ही 7.5, 6 और 4.5 तीव्रता के भूकंप लेबनान, जॉर्डन, इजरायल, मिस्र व अन्य देशों में महसूस किए गए। जब किसी बड़े भूकंप से सब कुछ जर्जर प्राय: हो जाए, तो छोटे-छोटे भूकंप भी जान-माल की भारी क्षति का कारण बन जाते हैं। इसे तुर्किये के लिए शताब्दी का भीषणतम भूकंप बताया जा रहा है। तुर्किये में 30 अक्तूबर, 2020 को भी 7 तीव्रता का भूकंप आया था। झटके ग्रीस तक अनुभव किए गए थे। यह भूकंप ऐजियन सागर में आया था। तुर्किये के तटीय राज्यों में इसका काफी असर रहा था। समुद्र में ऊंची लहरों के उठने से कई इलाकों में पानी भर गया था। सागर में आए भूकंप ऊंची लहरें पैदा करते हैं।

भूकंपों में विमुक्त ऊर्जा का पैमाना 1935 में कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के चार्ल्स रिक्टर द्वारा गणितीय पद्धति पर विकसित रिक्टर स्केल से तय किया जाता है। रिक्टर पैमाने पर एक व उससे कम तथा 2.9 मैग्निट्यूट तक के भूकंप सूक्ष्म कहलाते हैं। ये महसूस नहीं होते हैं। 3 से 3.9 तक के हल्के-छोटे भूकंप महसूस हो जाते हैं, जिनमें हल्की क्षति हो सकती है। 4 से 4.9 तक के हल्के श्रेणी के भूकंपों में टूट-फूट हो सकती है। 5 से 5.9 के बीच भूकंप मध्यम या

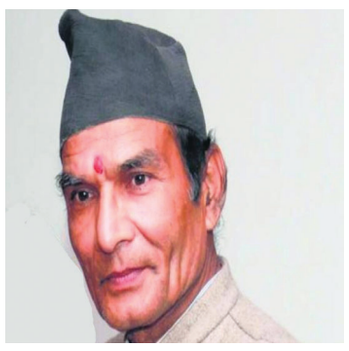

कमजोर निर्माण को नुकसान पहुंचा सकते हैं। 6.0 से 6.9 तक के भूकंप सौ मील तक जनसंख्या वाले क्षेत्रों को नुकसान कर सकते हैं। इनकी सालाना वैश्विक संख्या बीस से दो सौ तक होती है। 7 से 7.9 तक के बड़े भूकंप साल में तीन से 29 बार आ जाते हैं। ये बहुत बड़े क्षेत्र में तबाही ला सकते हैं। 8 से 8.9 तक का बहुत बड़ा भूकंप कई सौ किलोमीटर तक गंभीर नुकसान कर सकता है। उसके बाद 9 से 9.9 तक का भूकंप कई हजार किलोमीटर तक के क्षेत्र में भयानक विध्वंस कर सकता है। सैद्धांतिक रूप से रिक्टर स्केल की ऊपरी कोई सीमा नहीं है, किंतु अभी तक सबसे ज्यादा 8.6 मैग्निट्यूड का ही भूकंप रिकॉर्ड किया गया है।

जब सैसमिक गैप या अन्य कारणों से किसी क्षेत्र में भूगर्भीय ऊर्जा पूरी तरह विमोचित या संचारित नहीं हो पाती है, तब भी भूगर्भीय फॉल्टों-अपभ्रंशों से लगातार बड़े व मध्यम भूकंप आते हैं। तुर्किये के मामले में भी यही है। भारत में हिमालय में 8 मैग्निट्यूड से ज्यादा के भूकंप की आशंका इसीलिए जतलाई जा रही है। यदि भारत की बात करें, तो भारत का करीब 57 प्रतिशत भाग भूकंप गतिविधियों की संभावनाओं वाला है। इसमें करीब 10.9 प्रतिशत क्षेत्र सर्वाधिक जोखिम वाले जोन 5 में हैं। भारत में भी निर्माण-कार्यों में सतर्कता बरतने की जरूरत है। भूकंपों को रोका नहीं जा सकता, लेकिन भवन यदि भूकंप अवरोधी बनें और पुरानों की रेट्रोफिटिंग हो, तो कई जीवन बचाए जा सकते हैं। पूरा जापान ही 5 सैसमीक जोन में है। वहां भवन 7.5 या 8 तीव्रता को झेलने लायक बनाए जाते हैं।

सूक्ष्म, छोटे, मध्यम व बड़े भूकंपों की सालाना वैश्विक संख्या लाखों में होती है। निस्संदेह, इनमें से अधिकांश भूकंप के अत्यंत कम शक्ति के होने के कारण आम जन उसका अनुभव भी नहीं कर पाता। आज के आधुनिक अति संवेदनशील सेसमोग्राफ हजारों किलोमीटर दूर घटित भूकंप को भी दर्ज कर लेते हैं। तभी तो अमेरिका की एजेंसियां भारत, नेपाल में आए भूकंपों के केंद्र की गहराई, स्थान, मैग्निट्यूड आदि की भरोसेमंद जानकारी उपलब्ध करा देती हैं। विज्ञान का कमाल है कि अब शून्य मैग्निट्यूड के आसपास के भूकंप भी रिकॉर्ड में आ जाते हैं, लेकिन इससे ज्यादा जरूरी है कि हम आगे बढ़कर विज्ञान की मदद से अपने भवनों को भूकंप झेलने योग्य बनाएं।

**(ये लेखक के अपने विचार हैं)**

# जाति जनगणना: तार्किक और समसामयिक भी

नवल किशोर

बिहार में जातिगत सर्वे की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। वैसे समूचे देश में इस कवायद की मांग कुछ राजनीतिक दल कर रहे हैं। बिहार ने इस दिशा में पहल कर दी है, जिसे लेकर पक्ष-विपक्ष में राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का रण चरम पर है। बिहार में जातिगत सर्वेक्षण को दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में हर एक घर और घर में रहने वाले सदस्यों की उपस्थिति दर्ज होगी; और दूसरे चरण में 26 सवालों के माध्यम से हरेक व्यक्ति के सामाजिक-आर्थिक आंकड़े अंकित किए जाएंगे।

इसमें जाति, धर्म, व्यवसाय के साथ निवासियों से जुड़ी अन्य जानकारी भी सूचीबद्ध की जाएंगी। पांच लाख से अधिक कर्मचारियों के सहयोग से यह कार्य मई महीने के अंत तक पूर्ण करने की लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ज्ञात हो कि केंद्र सरकार द्वारा मनाही के बाद राज्य सरकार ने अपने खर्च पर जातिगत सर्वे कराने का निर्णय लिया था जिसमें लगभग पांच सौ करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

राज्य के सभी दल इस निर्णय में शामिल थे और इसके पक्ष में विधानमंडल दो-दो बार सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेज चुका था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि राज्य की जनसंख्या की सामाजिक-आर्थिक जानकारी शीघ्र ही उपलब्ध होंगी और ये आंकड़े केंद्र सरकार को भी भेजे जाएंगे। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए इसे लगातार रोकने के लिए भाजपा को गरीब-दलित विरोधी बताया। वहीं नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने इसे करदाताओं के पैसे की बर्बादी बताया और कहा कि इससे जातियों के बीच तनाव पैदा होंगे। कई मीडिया चैनल इसे मंडल-कमंडल के चश्मे से भी देखने की कोशिश कर रहे हैं, और इसके राजनैतिक इस्तेमाल पर चर्चा करने-कराने में व्यस्त हैं। आम तौर पर जानकारी और आंकड़ों से वही डरता है, जो भ्रम में जीना चाहता है। सांच को आंच क्या? गांव या पंचायत स्तर पर हर कोई अपने पड़ोसी की जाति की जानकारी रखता है। जातिगत जानकारी भर से से टकराव की स्थिति बन जाए, यह बात समझ से परे है। तथ्य है कि

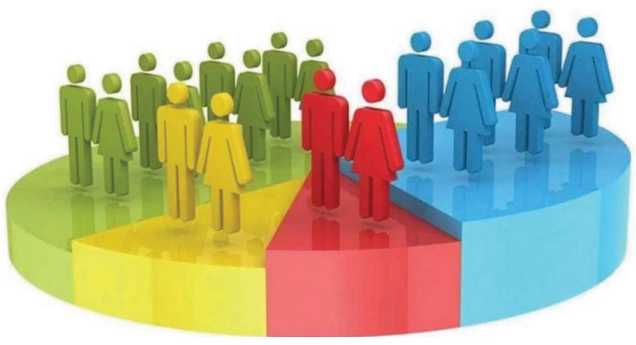

जिस गांव में एक ही जाति के लोग हैं, वहां कोई टकराव नहीं होता। जाति की जानकारी होने मात्र से सामाजिक संबंध और भाईचारा बिगड़ जाए, ऐसा कोई समाजशास्त्रीय दावा नहीं करता।

सनद रहे कि बिना जाति के भारतीय समाज या यूं कहें कि सनातन समाज की बनावट को समझना नामुमकिन है। दरअसल, जातिगत संरचना गैर-बराबरी पर आधारित है, और यही अन्याय का व्याकरण भी है। वर्ण व्यवस्था में संप्रभु वर्ग है, जिसने सदियों से सत्ता, सम्मान और संसाधनों पर वर्चस्व बनाकर रखा था। फलस्वरूप समाज का बहुसंख्यक हिस्सा अमानवीय शोषण का शिकार रहा है। पहली जातीय जनगणना 1931 के अनुसार हिंदू समाज का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा शोषित रहा। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी इन शोषित समूहों ने वर्ण व्यवस्था के खिलाफ आवाज बुलंद की थी। संविधान सभा में भी इस पर खुल कर बहस हुई थी और इसे दूर तथा दुरुस्त करने के उपचार भी इंगित किए गए। यही कारण है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को आरक्षण के माध्यम से मुख्यधारा में लाने के लिए क्रमश: 15 फीसदी और 7.5 फीसदी आरक्षण देने की व्यवस्था की गई। स्वतंत्रता के बाद से ही इनकी गिनती भी पहली भारतीय जनगणना से ही होती रही है। संविधान निर्माताओं ने समाज के एक अन्य बहुसंख्यक हिस्से को भी सामाजिक और शैक्षणिक तौर पर पिछड़े वर्ग के रूप में चिन्हित किया था जिन्हें मुख्यधारा में लाना सरकार की भावी जिम्मेदारी थी।

केंद्र सरकार ने 1953 में काका कालेलकर की अध्यक्षता में प्रथम पिछड़ा आयोग का गठन भी किया जिसकी रिपोर्ट 1955 में संसद के पटल पर रखी गई। लेकिन राष्ट्र-निर्माण के रास्ते में बाधा का हवाला देकर उस रिपोर्ट को लागू नहीं किया गया। दो दशक पश्चात जनता पार्टी की सरकार ने 1978 में बीपी मंडल की अध्यक्षता में दूसरे पिछड़ा आयोग गठित किया। मंडल आयोग ने 1980 में ही पिछड़ों को मुख्यधारा में लाने के लिए 40 सूत्री अनुशंसापत्र सरकार को सौंप दिया था। इससे पूर्व बिहार सरकार ने 1970 में मुंगेरी लाल आयोग का गठन किया जिसने 1977 में सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इस रिपोर्ट को कर्पूरी ठाकुर ने लागू किया था।

इन तीनों आयोगों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट में जातिगत आंकड़ों की आवश्यकता का जिक्र किया। वर्तमान आंकड़े होते तो रिपोर्ट को तर्कसंगत और वैज्ञानिक बनाने में सहायक होते। विकासवादी दृष्टिकोण से विचार किया जाए तो 1931 की जातीय जनगणना की जगह पर सरकार वर्तमान आंकड़ों के आधार पर नीतिगत योजनाएं बनाए तो उसके यकीनन परिणाम बेहतर हो सकते हैं। साथ ही, समाज के समावेशी विकास का पथ भी अधिक प्रशस्त होगा। इसलिए जातिगत जनगणना की मांग या कवायद ज्यादा तार्किक और समसामयिक प्रतीत होती है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM



# बस्तर की जनजातीय संस्कृति को विश्व पटल पर पहुंचाने छत्तीसगढ़ शासन प्रतिबद्ध : मंत्री लखमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर भारत की नियाग्रा कहे जाने वाले विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात के तट पर मंगलवार 14 फरवरी को तीन दिवसीय चित्रकोट महोत्सव का रंगारंग शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती, मां दंतेश्वरी और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा ने इस भव्य आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि चित्रकोट और बस्तर एक दूसरे के पर्याय बन गए हैं।

देश-विदेश में लोग बस्तर को चित्रकोट जैसे अद्भुत जलप्रपात के कारण पहचानते हैं। चित्रकोट में आयोजित यह महोत्सव बस्तर की जनजातीय संस्कृति को विश्व पटल पर पहुंचाने का एक सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा कि बस्तर की लोक संस्कृति सहज और सरल होने के साथ ही अत्यंत आकर्षक भी है, जिससे पूरे विश्व को परिचित कराने की आवश्यकता है। इस दिशा में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बहुत ही सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर की जनता उत्सवप्रिय है। छत्तीसगढ़ शासन की नीतियों के कारण किसान, वनोपज संग्राहक, पुजारी, गायता, भूमिहीन कृषि मजदूर, स्व-सहायता समूह की महिलाओं में खुशी है। यही कारण है कि मेला-मंड़ई में लोगों की संख्या में भी लगातार वृद्धि देखी जा रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सांसद श्री दीपक बैज ने कहा की चित्रकोट महोत्सव बस्तर में लगातार तीन दिनों तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही विभिन्न खेलकूद भी आयोजित की जाएंगी। इसमें पूरे संभाग के प्रतिभागी शामिल होंगे। महोत्सव के माध्यम से हमारी लोक-संस्कृति, परंपरा का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही यहां शासन द्वारा संचालित योजनाओं का प्रदर्शन भी होगा। उन्होंने कहा कि बस्तर प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है। यहां चित्रकोट के साथ तीरथगढ़, तामड़ा घूमर, मेंदरी घूमर, बीजाकसा, चित्रधारा, मंडवा जैसे कई जलप्रपात हैं। चित्रकोट इन सभी जलप्रपातों का सिरमौर है। यही कारण है कि यहां पर्यटकों की संख्या में साल दर साल वृद्धि देखी जा रही है। पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए ही अब लामड़ागुड़ा में भी जिला प्रशासन द्वारा नया रिजॉर्ट तैयार किया गया है, जिसका संचालन स्थानीय महिलाएं कर रही हैं। बस्तर में पर्यटन के विकास का मूल उद्देश्य ही यह है कि स्थानीय युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार प्राप्त हो। संस्कृति के संरक्षण के लिए देवगुड़ी और घोटुलों के संरक्षण का कार्य भी छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किया जा रहा है।

# प्रभारी मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने किया सरस मेले का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बिलासपुर।** राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल ने आज रात व्यापार विहार में राष्ट्रीय सरस मेले का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संसदीय सचिव श्रीमती रश्मि सिंह ने की।



विशेष अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरूण सिंह चौहान,जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रमोद नायक, अरपा विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष अभय नारायण राय,मंडी अध्यक्ष राजेंद्र शुक्ला, जिला अध्यक्ष श्री विजय केशरवानी एवम् श्री विजय पांडे उपस्थित थे।

श्री जयसिंह ने छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना कर सरस मेला का शुभारंभ किया। रंगीन आतिशबाजी की गई। उन्होंने स्टॉल का अवलोकन किया। तेरह राज्यों से महिला स्व सहायता समूह अपनी उत्पाद और कला का प्रदर्शन कर रही हैं।

मुख्य अतिथि श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी की मंशा के अनुरूप यह मेला आयोजित की गई है। महिला समूहों को आगे बढ़ाने में पिछले 4 साल में काफी काम हुए हैं। उनका पिछला कर्ज माफ कर कम ब्याज दर पर उनका कारोबार बढ़ाने लोन दिया जा रहा है। आज इन योजनाओं का लाभ लेकर अपना जीवन स्तर ऊंचा कर रही हैं। प्रभारी मंत्री ने इस मौके पर जिले की 147 महिला स्व सहायता समूहों को 4 करोड़ रुपए का रियायती दर पर स्वीकृत बैंक लोन वितरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संसदीय सचिव श्रीमती रश्मि सिंह ने कहा कि बिलासपुर में आयोजित उद्योग मेले जैसी प्रतीति हो रही है। उन्होंने कहा की महिलाओं ने गोठानो के जरिए काम कर अपनी ताकत दिखा दी है। यूपीए सरकार में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने बड़े पैमाने पर एसएचजी गठित किए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उन पर विश्वास जताया और अधिकार दिए। उन्होंने मेले की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी।जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरूण सिंह चौहान ने भी समारोह को संबोधित किया। कलेक्टर सौरभ कुमार ने स्वागत भाषण दिया। मेले में 150 स्टॉल सजाए गए हैं।

## खास खबर

### विभिन्न विभागों और सामाजिक भवनों के लिए भूमि आबंटन की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश

**गौरेला पेंड्रा मरवाही।** कलेक्टर श्रीमती प्रियंका ऋषि महोबिया ने आज साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में जनशिकायतों एवं जनसमस्याओं के निराकरण की विभागवार समीक्षा की और लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने न्यायालयीन सेवा के अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए रिहायशी भूमि आवंटित करने के साथ ही जिला पंचायत, केंद्रीय एवं नवोदय विद्यालय, उद्यानिकी महाविद्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र सहित विभिन्न विभागों एवं सामाजिक भवनों के लिए जमीन आबंटन की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए। उन्होने राजस्व अधिकारियों को अपने कार्य संस्कृति में सुधार लाते हुए विवादित प्रकरणों, अवैध प्लाटिंग, अवैध कब्जा, अतिक्रमण आदि प्रकरणों का निराकरण के लिए मौके पर जाकर देखने और गुण-दोष के आधार पर तत्काल निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने नक्शा बटांकन, अभिलेख दुरुस्तीकरण आदि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही एवं कोताही बरतने वाले पटवारियों को निलंबित करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले में चिन्हित लगभग 150 जर्जर शाला भवनों की मरम्मत, नवीनीकरण एवं लोक निर्माण विभाग से डिस्मेंटल की अनुमति लेकर पुनर्निर्माण का कार्य जल्द से जल्द कराने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होने जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत कार्यो, प्रगतिरत कार्यों एवं पूर्ण कार्यों की जानकारी ली तथा कार्यादेश होने के बाद भी जो कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं हुए है, उन्हे तत्काल प्रारंभ कराने के निर्देश कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को दिए। सुनिश्चित करने के साथ ही सभी गौठानों में पानी और बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मैनपाट महोत्सव का आगाज

# मैनपाट महोत्सव से अंचल की कला-संस्कृति को मिलती है नई पहचान: मंत्री डहरिया

**78 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण-भूमिपूजन**

**मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत विवाह सूत्र में बंधे 350 जोड़ों को दिया आशीर्वाद**



श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के बौद्ध तीर्थ स्थल के रूप में प्रसिद्ध मैनपाट में आज लोक कला एवं संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए मैनपाट महोत्सव का आगाज हुआ। महोत्सव का शुभारंभ नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया और संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने किया। मैनपाट महोत्सव का आयोजन रोपाखार जलाशय के समीप आयोजन किया जा रहा है।

इस तीन दिवसीय महोत्सव में सरगुजा अंचल के लोक कलाकारों द्वारा शैला, करमा सहित अन्य स्थानीय गीत-संगीत एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तति दी जा रही है। मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. डहरिया ने कहा कि प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने के उद्देश्य से मैनपाट महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव में सरगुजा अंचल के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की जनजातीय कला संस्कृति की झलक दिखेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से अंचल की कला संस्कृति को नई पहचान मिलेगी। सरगुजा में कई दर्शनीय स्थल हैं जिसमें दर्शनीय स्थल एवं सांस्कृतिक विरासत के अनमोल धरोहर भी हैं। मैनपाट में बौद्ध मठ एवं अध्यात्म के भी दर्शन होते हैं। यहां तिब्बती बौद्ध धर्म गुरू दलाई लामा का भी दो बार पदार्पण हुआ है। यहां के तिब्बती भाई-चारे के साथ मिलजूल कर रहते हैं।

मंत्री डॉ. डहरिया ने इस मौके पर 78 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया और विभागीय उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी और विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत विवाह सूत्र में बंधे 350 जोड़ों को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम में मंत्रीद्वय ने 6 मुक्तांजलि वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। डॉ डहरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में सभी वर्ग के लोगों को ध्यान में रखकर योजना बनाई जा रही है ताकि योजना का लाभ व सम्मान सभी वर्ग को मिल सके।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसानों को देश में धान का सर्वाधिक मूल्य मिल रहा है। अगले वर्ष किसानों को धान का और अधिक मूल्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की उन्नति में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए राजीव युवा मितान क्लब का गठन किया गया है। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के माध्यम से परंपरागत खेलों को पुर्नजीवित करने का प्रयास किया जा रहा है।संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि 8 वर्ष पहले शुरू हुए मैनपाट महोत्सव का देश-प्रदेश में विशेष पहचान बनते जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गठन के बाद किसानों का कर्जा माफी तथा देश में सर्वाधिक मूल्य पर धान की खरीदी करने का कार्य किया गया। राज्य सरकार विकास कार्यों के साथ ही सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का भी काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि कोविड काल के दौरान कठिन चुनौतियों के बाद भी राज्य सरकार ने सबके लिए दवाई, उपचार एवं खाने की व्यवस्था की। कोविड काल से मुफ्त चावल दिया जा रहा है। इस वर्ष धान खरीदी में रिकार्ड 1 करोड़ 8 लाख मीट्रिक टन की खरीदी की गई।

इस दौरान जिले के 41 विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों को नियुक्ति पत्र दिया गया है। महोत्सव में सीजीएमएससी के अध्यक्ष डॉ प्रीतम राम, छत्तीसगढ़ स्थानीय आदिवासी स्वास्थ्य परंपरा एवं वनौषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वन समिति के उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल, राज्य मदरसा बोर्ड के सदस्य इरफान सिद्दीकी, राज्य उर्दू अकादमी के सदस्य बदरुद्दीन इराकी, राज्य कर्मकार मंडल के सदस्य अनिल सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में सैलानी एवं आम नागरिक उपस्थित थे।

# श्रवण बाधितार्थ छात्राओं को कैम्पस में मिली स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार की निःशुल्क सुविधा



श्रीकंचनपथ न्यूज

**धमतरी।** शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधा को और अधिक सुगम व सुलभ बनाने प्रदेश शासन ने मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना वर्ष 2019 में लागू की। इससे निचले स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाएं और विभिन्न व्याधियों का उपचार बिना अस्पताल का रूख किए हो रहा है। पहले बीमार आदमी को अपना इलाज कराने अस्पताल तक जाना और लम्बी कतार में अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता था। प्रदेश के संवेदनशील मुखिया भूपेश बघेल ने इन्हीं दिक्कतों को दृष्टिगत करते हुए यह योजना आमजनता के लिए लागू की है। स्वास्थ्य विभाग की चलित चिकित्सा इकाई वाली बस में 40 प्रकार की जांच हेतु रक्त व अन्य नमूने लिए जाते हैं, वहीं स्वास्थ्य का परीक्षण उपरांत रोगियों को नि:शुल्क दवा भी वितरित की जाती है।

सोमवार 13 फरवरी को एमएमयू की बस जिला न्यायालय के समीप स्थित श्रवण बाधितार्थ शासकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पहुंची, जहां पर 29 मूक-बधिर छात्राओं ने अपना उपचार कराया व आवश्यकतानुसार नि:शुल्क औषधियां प्राप्त की। उपचार के दौरान कक्षा आठवीं की छात्रा कु. नंदिनी साहू, छठीं की छात्रा कु. प्राची मौर्य, उर्वशी और संजना मेहर ने इशारों में बताया कि उन्होंने सिरदर्द, बदन दर्द, सर्दी, खांसी, बदन दर्द और सामान्य फ्लू की शिकायत का उपचार कराया। इसी तरह कक्षा दसवीं की कु. काजल सोम, भूमिका साहू ने भी चिकित्सक से इलाज कराकर प्रसन्नता जाहिर की। शिक्षिका ने बताया कि एमएमयू की बस प्रत्येक 15 दिनों में नियमित रूप से यहां पहुंचती है और बच्चियां का पंजीयन करके स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यकतानुसार खून, कफ, पेशाब आदि का सैम्पल लेकर मेडिकल स्टाफ द्वारा मौके पर ही नि:शुल्क दवाइयां वितरित की जाती हैं।

# जय हनुमान सेवा वाहिनी केम्प मण्डल का हुआ विस्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** जय हनुमान सेवा वाहिनी के केम्प मण्डल विस्तार मंडल अध्यक्ष अमरेश गिरी के द्वारा किया गया कार्यक्रम की शुरुआत श्री हनुमान जी के भजन से प्रारभ हुई। जिसमें जय हनुमान सेवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष उत्कर्ष भट जी एवं संगठन मंत्री डामेंन्द्र परगनिया ने वाहिनी के मूल उद्देश्य एवं भविष्य की कार्य योजनाओं को लेकर अपने अपने मार्गदर्शन दिए।



वाहिनी संगठन विस्तार में संरक्षक पद पर मछंदर कनौजिया.संजय राय . रामराव, रवि दुबे मनोनित हुऐ वही मंडल उपाध्यक्ष सत्यनारायण साहू कोषाध्यक्ष संजय विश्वकर्मा संगठन महामंत्री वीरेंद्र सिंह युगल यादव मंडल महासचिव नरेश लहरें टिकेश साहू मंडल सलाहकार ईश्वर राव प्रमिला मनोरमा शर्मा सुलोचना उपाध्याय मंडल विधिक सलाहकार हरक यादवजी दुर्गेश पांडे मंडल प्रचार प्रसार प्रभारी साई कुमार मंडल मीडिया प्रभारी कुलेश्वर कुमार मंडल सचिव श्रवण वर्मा मंडल सह सचिव रोहित कुमार बावने को मनोनीत किया गया।

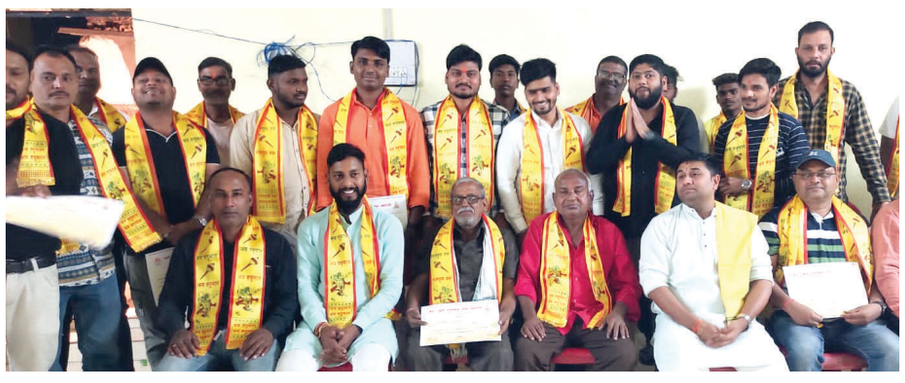

कार्यक्रम में उपस्थित मंडल अध्यक्ष अमरेश गिरी ने बताया की जय हनुमान सेवा वाहिनी का एक मात्र उदेश्य समाज में अपने दायित्व का निर्वान करना जनहित के कार्य में अपनी भागीदारी देना धर्म की रक्षा के साथ साथ अपने सामाजिक हितों से जुड़े मुद्दों का जिम्मेदारी से निर्वहन करना बताया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से देवेंद्र बघेल रोहित कुमार उमाशंकर साहू श्रवण यादव कुलवंत सिंह गौतम साव. मोहनलाल सेन सूरज साव साजन सोनकर करण साव पिंटू कुमार कृष्णा कुमार संजय शर्मा खिलेश कुमार सदस्य उपस्थित थे।

### बस्तर संभाग के सभी राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने बैठक

**रायपुर।** बस्तर संभाग के सभी राजनैतिक दलों को सुरक्षा मापदण्ड के संदर्भ में अवगत कराने हेतु समस्त जिला मुख्यालय में जिला दण्डाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी राजनैतिक दलों की एक बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में कानून/सुरक्षा व्यवस्था, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक पदाधिकारियों के भ्रमण के दौरान पालन किये जाने वाले सुरक्षा मापदण्ड के संबंध में आवश्यक चर्चा की गई। संवेदनशील क्षेत्रों में भ्रमण कार्यक्रम के दौरान आवागमन की सूचना समय पूर्व दिये जाने के संबंध में बताया गया।




Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65



CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

## खास खबर...

### प्रदेश में बदल रहा मौसम का मिजाज होगी तापमान में बढ़ोतरी

**रायपुर (ए)।** छत्तीसगढ़ में अब मौसम का मिजाज थोड़ा बदलने वाला है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर से आने वाली हवाओं की रफ्तार में बदलाव हुआ है, जिसके चलते तापमान में बढ़ोतरी होगी। मंगलवार को प्रदेश में कृषि विज्ञान केंद्र नारायणपुर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मंगलवार को रायपुर सहित प्रदेश भर में मौसम का शुष्क रहा। सुबह-सुबह और रात के वक्त थोड़ी ठंडी लगी। दिन में तेज धूप के चलते हल्की गर्मी लगने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार अब तापमान में बढ़ोतरी होने से ठंड कम होगी। बता दें कि इस वर्ष ठंड कम पड़ी जिसकी वजह से गर्म कपड़ों का कारोबार काफी कम रहा। प्रदेश के विभिन्ना क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान में एक से चार डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आई। रायपुर में न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम रहा। दुर्ग में 11.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस रहा।

### कौमी एकता ही हमारे देश की ताकत हैः मोहम्मद अहमद

**रायपुर (ए)।** रायपुर में ऑल इण्डिया कौमी तंजीम की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद अहमद व प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल हैदर ने प्रदेश कार्यकारिणी के नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती व देश की एकता और अखंडता पर अपने विचार व्यक्त किए। राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद अहमद ने कहा कौमी एकता हमारे देश की ताकत है। हमारी कौमी एकता के आगे ब्रिटिश हुकूमत ने घुटने टेक दिए थे। लेकिन आज कुछ संगठन अपने राजनैतिक लाभ के लिए मजहब के नाम पर दरार पैदा करने की कोशिश में हैं। हमें एकजुट होकर देश विरोधी ताकतों का मुकाबला करना है और देश की तरक्की के लिए काम करना है। प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल हैदर ने कहा ऑल इण्डिया कौमी तंजीम की प्रदेश कार्यकारिणी में सक्रिय लोगों की नियुक्ति की गई है। समस्त पदाधिकारी संगठन की विचारधारा के अनुरूप देशहित व जनहित में काम करेंगे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व एनएसयूआई अध्यक्ष बंटी खान,अल्पसंख्यक पूर्व अध्यक्ष सदस्य श्रम कल्याण मंडल शारिक रईस खान,रहमतुल्लाह खान, शरीफखान,रिजवान खान,जिला अध्यक्ष कौमी तंजीम मोहम्मद सिद्दीक, हजरुन बानो, शब्बीर खान,रेहान खान ,विजय बघेल ,मुनेश गौतम,आनंद पांचाल,मोहम्मद यूसुफ, आरिफ रज़ा, राजेश कटारे,सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

# किसान, मजदूर और व्यापारी, हर वर्ग के लोगों में खुशी का माहौलः मुख्यमंत्री बघेल

### मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से राजधानी स्थित उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ सिन्धी पंचायत के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री को इस दौरान प्रतिनिधिमंडल द्वारा भगवान श्री झूलेलाल सांई के जन्मोत्सव कार्यक्रम 'चंद्र जी रात' में मुख्य अतिथि के बतौर शामिल होने का आमंत्रण दिया। यह कार्यक्रम 22 मार्च 2023 को रात्रि 9 बजे से राजधानी के शंकर नगर स्थित बीटीआई ग्राउण्ड में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री बघेल ने भगवान श्री झूलेलाल सांई के जन्मोत्सव कार्यक्रम में आमंत्रण के लिए प्रतिनिधिमंडल को धन्यवाद दिया।

### धान खरीदीः किसानों को इस साल 22 हजार करोड़ रूपए से अधिक का भुगतान

मुख्यमंत्री बघेल ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार हर वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। यहां उनके हित में संचालित जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के परिणाम स्वरूप किसान, मजदूर और व्यापारी, हर वर्ग के लोगों में खुशी का माहौल बना हुआ है। उन्होंने आगे बताया कि छत्तीसगढ़ में राजीव गांधी किसान न्याय योजना लागू होने के बाद हर साल धान का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। पिछले साल 98 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी और अब इस साल सभी पिछली रिकार्ड तोड़ते हुए 107 लाख मीट्रिक टन से अधिक की खरीदी की गई है।

मुख्यमंत्री बघेल ने अवगत कराया कि राज्य में धान खरीदी का कार्य सफलता पूर्वक संचालित हुआ। इसके लिए शासन-प्रशासन की ओर से बेहतर प्रबंध किए गए थे, जिससे किसानों को धान बेचने में काफी सहूलियत हुई। इस तरह राज्य में धान खरीदी सुव्यस्थित ढंग से संपन्न कर किसानों को इस साल 22 हजार करोड़ रूपए से अधिक राशि का भुगतान किया गया है। इस साल देश भर में धान बेचने वाले किसानों में छत्तीसगढ़ के किसानों की संख्या सबसे ज्यादा रही, जो एक कीर्तिमान है।

मुख्यमंत्री बघेल ने आगे कहा कि राज्य में किसानों के साथ-साथ राइस मिलर्स और व्यापारी वर्ग के हित में भी अहम निर्णय लिए गए। हमें अपने वादे को पूरा करते हुए कस्टम मिलिंग की प्रोत्साहन राशि 40 रूपए से बढ़ाकर 120 रूपए कर दी हैं। इससे धान के उठाव सहित कस्टम मिलिंग में काफी तेजी आई है। कस्टम मिलिंग की प्रक्रिया के सुचारू रूप से संचालन की वजह से ही धान खरीदी और प्रोसेसिंग के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इस साल राज्य में 249 नई राईस मिले स्थापित हुई है, जिसके तहत राज्य में कस्टम मिलिंग करने के लिए पंजीकृत मिलर्स की संख्या 2035 से बढ़कर अब 2284 हो गई है। राज्य में इस तरह किसान, मजदूर और व्यापारी सहित हर वर्ग के लोगों में खुशी का माहौल बना हुआ है।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के पदाधिकारी श्रीचंद सुंदरानी, इंद्रकुमार डोडवानी, रमेश मिरघानी, किशोर आहूजा आदि शामिल थे।

# वन अधिकार अधिनियम के उचित क्रियान्वयन के लिए ग्राम सभा को बनाएं सशक्तः शम्मी आबिदी

### वन अधिकार प्रकोष्ठ के जिला समन्वयक एवं क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** वन अधिकार अधिनियम, 2006 एवं नियम 2007 (यथा संशोधित नियम 2012) के उचित क्रियान्वयन के संबंध में 13 एवं 14 फरवरी को आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान स्थित प्रशिक्षण हॉल में वन अधिकार प्रकोष्ठ के जिला समन्वयक एवं क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं की दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कुल 47 जिला समन्वयक एवं क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की संचालक शम्मी आबिदी द्वारा समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए वन अधिकार अधिनियम के प्रकोष्ठ के संबंध में विस्तृत चर्चा की और अधिनियम के उचित क्रियान्वयन हेतु ग्राम सभा को सशक्त बनाए जाने पर बल दिया। श्रीमती आबिदी ने कहा कि कोई भी पात्र हितग्राही इस योजना का लाभ प्राप्त करने से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए जिला समन्वयक एवं क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं का अधिनियम के सभी

पहलुओं से भली भांति अवगत होना बहुत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से यह कार्यशाला आयोजित की गई है। इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

अपर संचालक संजय गौड़ ने उद्घाटन सत्र में कार्यशाला के महत्व एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वन अधिकार पत्र वितरण राज्य सरकार की एक अति महत्वाकांक्षी योजना है। छत्तीसगढ़ राज्य वन अधिकार पत्र वितरण में देश के अग्रणी राज्यों में है। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला समन्वयक एवं क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं की प्रभावी भूमिका पर बल दिया। उपायुक्त प्रज्ञान सेठ ने भी वन अधिकार अधिनियम के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए मैदानी स्तर पर इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया गया।

कार्यशाला में ग्राम सभा और उसकी भूमिका, कोरम, अनुभाग स्तरीय समिति, जिला स्तरीय समिति एवं राज्य स्तरीय समिति और इसके कार्य, जनजातीय कार्य मंत्रालय और इसकी भूमिका, सामुदायिक वन अधिकार और सामुदायिक वन संसाधन अधिकार विषय पर प्रशिक्षण, सीआर और सीएफआर के बीच अंतर स्पष्ट किया गया। इसके अलावा दावा दाखिल करने की प्रक्रिया-फ्लो चार्ट, सीएफआर मैपिंग के लिए जीपीएस, जीआईएस का उपयोग और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान आनॅलाइन एण्ट्री की प्रक्रिया पर आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा तैयार डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रस्तुतीकरण भी किया गया।

उल्लेखनीय है कि राज्य में 30 अक्टूबर 2022 तक व्यक्तिगत वन अधिकार हेतु प्राप्त कुल 8,76,270 आवेदन पत्रों में से 4,56,357 वन अधिकार पत्र वितरित किए जा चुके हैं। वन अधिकार के सामुदायिक दावों के लिए प्राप्त 50,988 आवेदन पत्रों में से 45,965 सामुदायिक वन अधिकार पत्र वितरित हो चुके हैं। राज्य में व्यक्तिगत वन अधिकारों की मान्यता कुल 3,71,604.984 हेक्टेयर वन भूमि तथा सामुदायिक वन अधिकारों की मान्यता कुल 20,02,067.788 हेक्टेयर वन भूमि पर प्रदाय की गई है। इसके अलावा राज्य में सामुदायिक वन संसाधन अधिकारों की मान्यता के अंतर्गत माह अक्टूबर, 2022 की स्थिति में 3,856 वन अधिकार पत्र संबंधित ग्राम सभाओं की 16,66,716.245 हेक्टेयर भूमि पर वितरित किए गए हैं। विदित हो कि देश में पहली बार छत्तीसगढ़ राज्य के नगरीय क्षेत्र में व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र एवं सामुदायिक वन अधिकार पत्र भी प्रदाय किए गए हैं। साथ ही राज्य के विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों को पर्यावास के अधिकार प्रदाय करने की कार्यवाही भी की जा रही है।

प्रशिक्षण सत्र के अंतर्गत वन अधिकारों की मान्यता के उपरांत मान्य वन भूमि का विवरण राजस्व, वन अभिलेखों में दर्ज करने की कार्यवाही पर भी मार्गदर्शन दिया गया। इसके अलावा प्रशिक्षण कार्यशाला को परियोजना अधिकारी विभोर देव, सहायक नियोजन अधिकारी दिलीप हरदहा, एफईएस संस्थान की सुश्री मंजीत कौर ने संबोधित कर प्रशिक्षकों को अधिनियम के सभी पहलुओं से बारीकी से अवगत करवाया।

### प्रधानमंत्री आवास योजना

# नगरीय क्षेत्रों में एक लाख 12 हजार से अधिक आवास पूर्ण

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में प्रधानमंत्री आवास योजना-सबके लिए आवास मिशन (शहरी) की राज्य स्तरीय स्वीकृति और निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के घटक हितग्राही द्वारा स्वयं आवास निर्माण के अंतर्गत नवीन परियोजनाओं की स्वीकृति और पूर्व में स्वीकृति परियोजनाओं में आवासों की कटौती उपरांत संशोधित परियोजनाओं की स्वीकृति और क्रियान्वयन परियोजनाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में योजना की भौतिक प्रगति एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी अधिकारियों ने दी।

नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत हितग्राही (घटक) द्वारा स्वयं आवास निर्माण हेतु करीब दो लाख 20 हजार 189 आवास स्वीकृति किए गए है। इसी तरह से भागीदारी (घटक) में किफायती आवास निर्माण के तहत 47 हजार 593 आवास स्वीकृत किए गए है। स्वीकृत आवासों में से करीब एक लाख 12 हजार 903 आवासों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत 2766 करोड़ 55 लाख केन्द्रांश और 1734 करोड़ 69 लाख राज्यांश के रूप में प्राप्त किए गए है। आवास के निर्माण में अब तक 3860 करोड़ 63 लाख की राशि का व्यय की गई है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित इस बैठक में विशेष सचिव नगरीय प्रशासन डॉ. अयाज तम्बोली, मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य शहरी विकास अभिकरण सौमिल रंजन चौबे सहित नगरीय प्रशासन, राजस्व, आरडीए, गृह निर्माण मण्डल, हुड्को सहित राज्य बैंकर्स समिति के प्रतिनिधि शामिल हुए।

# अबूझमाड़ के किसानों को बिचौलियों से मिली मुक्तिः पहली बार 720 किसानों ने बेचा धान, किसानों को हुआ 4 करोड़ 22 लाख रुपये का भुगतान

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** देश-दुनिया से अनभिज्ञ रह रहे अबूझमाड़वासी अब राज्य शासन की योजनाओं का लाभ उठाने लगे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर अबूझमाड़ क्षेत्र में राजस्व सर्वे का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस सर्वे से अबुझमाड़ अंचल के किसानों और ग्रामीणों को नई-नई योजनाओं का लाभ मिलना भी शुरू हो गया है। अबूझमाड़िया किसान न केवल अपना धान समर्थन मूल्य पर बेच रहे हैं। बल्कि उन्हें राशन, बिजली, पेयजल, पेंशन सहित सभी मुलभूत सुविधाएं बेहतर ढंग से मिल रही हैं।

अबुझमाड़िया किसानों ने पहली बार समर्थन मूल्य पर अपना धान बेचा, इससे खेती-किसानी में उनकी रूचि बढ़ी है। इस चालू सीजन में 720 अबुझमाड़िया किसानों को समर्थन मूल्य पर धान बेचने पर उन्हें 4 करोड़ 22 लाख रूपए का भुगतान किया गया है। मसाहती सर्वे नहीं होने के कारण पहले किसानों को औने-पौने दाम पर धान बिचौलियों के हाथों बेचना पड़ता था। अब उन्हें इस दिक्कत से निजात मिल गई है। शासकीय योजनाओं का लाभ उन्हें बेहतर ढंग से मिल रहा है। गौरतलब है कि अबूझमाड़ के करीब 2500 किसान राजस्व सर्वे उपरान्त मसाहती खसरा मिलने के बाद धान बेचने हेतु पंजीयन कराया।

### नारायणपुर में 110 गांवों का मसाहती सर्वे पूर्ण

27 अगस्त 2019 को मंत्री परिषद के निर्णय के पालन में छत्तीसगढ़ के राजस्व विभाग द्वारा नारायणपुर जिले में मसाहती सर्वे के लिए 246 ग्रामों को अधिसूचित किया गया। इन गांवों में सम्पूर्ण ओरछा विकासखण्ड के 237 ग्राम तथा नारायणपुर विकासखण्ड के 9 ग्राम शामिल थे। अब तक नारायणपुर जिले के 110 ग्रामों का मसाहती सर्वे किया जा चुका है। इसमें नारायणपुर विकासखण्ड के 9 ग्राम और ओरछा विकासखण्ड के 101 ग्राम शामिल है। अब तक 7 हजार 700 से अधिक किसानों को मसाहती खसरा का वितरण किया जा चुका है।

अबुझमाड़ अंचल में बहुत से किसान वर्षों से वन क्षेत्रों के भीतर काबिज भूमि पर खेती करते आ रहे थे, लेकिन इस क्षेत्र में भूमि का सर्वे नहीं होने के कारण उनके पास भूमि संबंधी कोई भी दस्तावेज नहीं थे। जिसके कारण वे शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे थे और न ही उन्हें खेती-किसानी के लिए बैंकों से ऋण मिल पाता था। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ऐसे किसानों की तकलीफ को समझते हुए नारायणपुर जिले के अबुझमाड़ अंचल में सर्वे का काम शुरू कराया और किसानों को मसाहती पट्टे प्रदान किया गया। इससे वर्षों से काबिज भूमि पर खेती-किसानी करने वाले किसानों को उस भूमि का मालिकाना हक मिला। भूमि का मालिकाना हक मिलने से अबूझमाड़ के अनेक किसानों के जीवन खुशियों से भर गया।

### अबुझमाड़िया किसानों को मिल रहा सरकारी योजनाओं का लाभ

सर्वे उपरांत किसानों को शासकीय योजनाओं के साथ-साथ अन्य योजनाओं का लाभ भी मिलना शुरू हो गया है। अबूझमाड़ 35 किसानों को 112 लाख रूपए के सोलर ड्यूल पंप दिए गए हैं, इससे 87 एकड़ कृषि भूमि में सिंचाई हो रहा है। साथ ही 493 प्रकरणों में केसीसी ऋण के माध्यम से 128 लाख रूपए और 1700 उद्यानिकी टूल कीट, बीज मिनी कीट भी वितरित किए गए हैं। इसी तरह 2731 हितग्राहियों को जाति प्रमाण पत्र, 1573 को निवास प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं। मनरेगा के तहत मसाहती 249 किसानों के भूमि का समतलीकरण भी किया गया है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

जीन्स
टी-शर्ट
शर्ट
ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel
Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

## खास खबर

### गदर 2 को मोशन पोस्टर जारी, तारा सिंह और सकीना की दिखी झलक

'गदर- एक प्रेम कथा' बॉलीवुड की सबसे सफल फिल्मों से एक हैं और बॉक्स ऑफिस पर इसने सफलता के नए आयाम लिखे थे. ये फिल्म करीब 20 साल पहले पर्दे पर आई थी, लेकिन इसका क्रेज आज भी फैंस के बीच में जिंदा है. फिल्म के सीन्स से लेकर डॉयलग्स तक हर किसी के दिलों में जिंदा है. ऐसे में अब इसकी रिलीज के 20 साल बाद इसके सीक्वल गदर 2 का एलान किया गया है. ऐसे में अब अब वैलेंटाइन डे के मौके पर फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया है, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट के अलावा तारा और सकीना यानी सनी देओल और अमीषा पटेल की झलक देखने को मिल रही है. वैलेंटाइन डे के मौके पर गदर 2 के डायरेक्टर अनिल शर्मा ने फिल्म का मोशन पोस्ट रिलीज किया है, जिसमें सनी देओल और अमीषा पटेल, गदर के तारा और सकीना के गेटअप में एक-दूसरे को देखते हुए नजर आ रहे हैं. वहीं आगे वीडियो में लिखा है, प्रेम कहानी का फिर से गवाह बनने के लिए तैयार हो जाइए. आगे गदर 2 लिखा हुआ है. वहीं फिल्म की रिलीज डेट यानी 11 अगस्त को सिनेमाघरों में लिखा हुआ दिख रहा है. इस वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, दिल खुश कर दिया सर. दूसरे ने लिखा, एक और चांस दीजिए सर. ऐसे ही कुछ ही मिनटों में यह मोशन पोस्टर वायरल हो गया है.

इस पोस्ट में फिर से गाना 'उड़ जा काले कावां' सुनाई दे रहा है और एक बार फिर सनी देओल अपने किरदार 'तारा सिंह' में नजर आएंगे और अमीषा 'सकीना' के किरदार में दिखाई देंगी. वहीं फिल्म में उत्कर्ष शर्मा तारा और सकीना के बेटे जीत की भूमिका निभाएंगे. इसका निर्माण जी स्टूडियो द्वारा किया जाएगा, इसकी कहानी शक्तिमान द्वारा लिखी जाएगी और संगीत मिथुन द्वारा कंपोज किया जाएगा. यह देखना दिलचस्प होगा कि आखिर 20 साल बाद कहानी को पर्दे पर कैसे निभाया जाता है.

### उर्वशी के फैंस को लगा बड़ा झटका, कांतारा 2 में नजर नहीं आएगी एक्ट्रेस

अभी तो कांतारा 2 में उर्वशी रौतेला के कास्ट होने की खबर भी सामने आई थी। फैन्स थोड़े खुश हुए थे। कहने लगे थे कि ऋषभ पंत नहीं तो ऋषभ शेट्टी ही अभिनेत्री के लिए ठीक हैं। और अब इनके फिल्म में नजर न आने की बात भी सामने आने लग गई है। दरअसल, हुआ ऐसा था कि उर्वशी रौतेला ने कांतारा सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी संग सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की है। इसके साथ ही कैप्शन में एक्ट्रेस ने फैन्स को हिंट दिया था कि वह कांतारा 2 में दखाई देने वाली है। जैसे ही यह खबर आग की तरह फैलनी शुरू हुई, मूवी के प्रोडक्शन हाउस से इस बारे में जानने का प्रयास भी किया है। प्रोडक्शन हाउस से जुड़े एक सूत्र के हवाले से पता लगा कि उर्वशी मूवी का भाग नहीं हैं। फैन्स केवल सुनी-सुनाई बातों पर यकीन भी करने लगे है। एक्ट्रेस के साथ मूवी में काम करने को लेकर कोई बात नहीं हो पाई है। प्रोडक्शन हाउस के सूत्र ने बोला है कि, उर्वशी रौतेला के कांतारा 2 में कास्ट करने को लेकर जो बातें चल रही हैं, वह बेसलेस हैं। अफवाह मात्र हैं। खबरों का कहना है कि उर्वशी अचानक से उसी जगह उपस्थित रहीं, जहां ऋषभ शेट्टी भी है। अभिनेत्री ने कांतारा फेम स्टार से मिलने की गुजारिश की और वह मिल लिए। जिसके उपरांत अभिनेत्री ने अजीब कैप्शन के साथ फोटो पोस्ट कर दी।

# आलू के जूस को अपनी डाइट में करें शामिल, मिलेंगे ये 5 प्रमुख लाभ

**आलू का जूस पोटैशियम, कैल्शियम, आयरन, फॉस्फोरस और कॉपर सहित कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह जूस इम्यूनिटी बढ़ाने, अर्थराइटिस का प्रभाव कम करने, लीवर को डिटॉक्स करने और अल्सर से राहत दिलाने जैसे कई लाभ दे सकता है। ऐसे में इसे डाइट में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है। आइए आज हम आपको आलू के जूस के सेवन से मिलने वाले पांच प्रमुख फायदे बताते हैं।**

### इम्यूनिटी बढ़ाने में मददगार

आलू के जूस में मौजूद विटामिन- सी की पर्याप्त मात्रा इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ कई तरह के संक्रमण और बीमारियों से शरीर को सुरक्षित रखने में मदद कर सकती है। विटामिन- सी शरीर में कोलेजन का उत्पादन बढ़ाने में भी मदद कर सकता है और हानिकारक मुक्त कणों से शरीर की रक्षा कर सकता है। इसके अतिरिक्त यह शरीर में व्हाइट ब्लड सेल्स के उत्पादन को बढ़ाने में भी सहायक माना जाता है।

### पेट के अल्सर से कर सकता है बचाव

हाई एसिड, शराब के अधिक सेवन और तनाव आदि के कारण पेट में अल्सर हो सकता है। ऐसे में आलू का जूस एक एंटी-बैक्टीरियल प्रोबायोटिक ड्रिंक की तरह काम करके पेट में अल्सर होने की संभावना को काफी कम करने में मदद कर सकता है। अध्ययनों के अनुसार, आलू का जूस पेट की सूजन को कम करने और पेट के कई संक्रमणों को खत्म करने में मदद कर सकता है।

### हड्डियों को दे सकता है मजबूती

आलू के जूस में उच्च मात्रा में मैंगनीज मौजूद होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायता करता है। इसके अतिरिक्त इसमें मौजूद कैल्शियम ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डियों की बीमारी) के जोखिम कम करने में मदद कर सकता है और हड्डियों को काफी मजबूत भी बना सकता है। आलू के जूस में एलेगिक एसिड भी होता है, जो हड्डी के फ्रैक्चर का खतरा कम करने में भी मदद करता है।

### हाई कोलेस्ट्रॉल का खतरा होगा कम

हाई कोलेस्ट्रॉल का अनियंत्रित स्तर हृदय रोग का खतरा बढ़ा सकता है। ऐसे में इसे नियंत्रित रखना जरूरी है।

एक शोध के अनुसार, आलू के जूस में मौजूद विटामिन- ए, विटामिन- बी कॉम्पलेक्स और विटामिन- सी हाई कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम कर सकते हैं। यह फाइबर से भी भरपूर होता है, जो शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकता है।

### कैंसर से बचाव करने में है सहायक

आलू के जूस में मौजूद एंटी-कैंसर प्रभाव शरीर की स्वस्थ और सामान्य कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाए बिना कोशिका के माइटोकॉन्ड्रिया पर हमला करके 40 से अधिक प्रकार की कैंसर कोशिकाओं को खत्म कर सकता है। दरअसल, यह प्रभाव कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकता है और शरीर को कई तरह के कैंसर से सुरक्षित रख सकता है। ऐसे में आपका अपनी डाइट में आलू के जूस को शामिल करना काफी लाभदायक साबित हो सकता है।

# आयुष्मान ने बताई ड्रीम गर्ल 2 की नई रिलीज डेट पठान से की दिल की बात

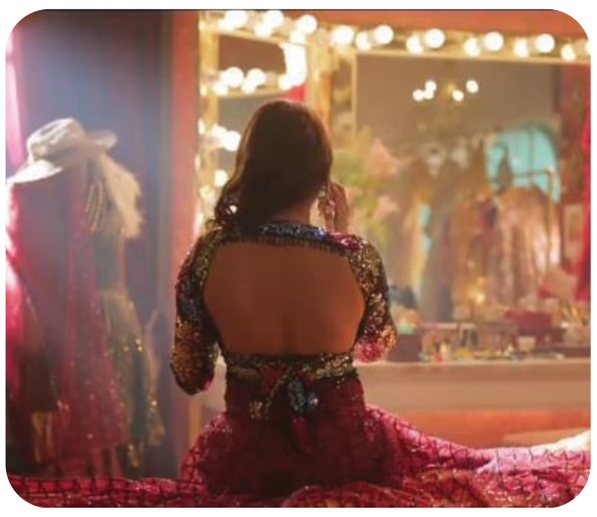

आयुष्मान खुराना बॉलीवुड के एक ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी फिल्में सबसे हटके होती हैं और बॉक्स ऑफिस पर कामयाब भी होती हैं। उनकी फिल्म ड्रीम गर्ल 2 का भी बड़ी बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है और अब आयुष्मान ने अपनी इस फिल्म के टीजर के जरिए इसे लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ा दिया है। दरअसल, आयुष्मान अब पूजा बन एक बार फिर अपनी आवाज का जादू बिखेरने को तैयार हैं।

आयुष्मान ने फिल्म का टीजर साझा किया है, जिसमें पूजा बनी आयुष्मान को पठान यानी शाहरुख खान की कॉल आती है। वह कहते हैं कि जल्द ही उनकी जवान आ रही है, जिस पर आयुष्मान कहते हैं कि जल्द ही उनकी जवानी भी आ रही है। दोनों के बीच बातचीत बड़ी मजेदार है, वहीं इसका पठान कनेक्शन भी देखने लायक है। आयुष्मान का पूरा चेहरा तो नहीं दिखता, लेकिन लड़की के अवतार में उनकी झलक जरूर देखने को मिलती है।

आयुष्मान ने टीजर को इंस्टाग्राम पर शेयर कर लिखा, ब्रेकिंग न्यूज! ड्रीम गर्ल वापस आ चुकी है। 7 को साथ में देखेंगे। ड्रीम गर्ल 2, 7 जुलाई को रिलीज हो रही है। पहले यह फिल्म इस साल 29 जून को रिलीज होने वाली थी। एक यूजर ने टीजर पर लिखा, पूजा जैसा न कोई दूजा तो एक अन्य फैन ने लिखा, इसे कहते हैं मार्केटिंग। एक ने लिखा, लगता है कि इस फिल्म में शाहरुख का कैमियो है।

आयुष्मान की ड्रीम गर्ल उनके करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक है। 2019 में रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। राज शांडिल्य के निर्देशन में बनी यह फिल्म दर्शकों के साथ समीक्षकों को भी खूब पसंद आई थी। 28 करोड़ रुपये बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था। फिल्म में आयुष्मान के साथ अभिनेत्री नुसरत भरूचा नजर आई थीं।

ड्रीम गर्ल 2 फिल्म ड्रीम गर्ल का सीक्वल है। इसमें नुसरत की जगह अनन्या पांडे नजर आएंगी। फिल्म में अन्नू कपूर, परेश रावल, सीमा पहवा, विजय राज, मनोज जोशी, राजपाल यादव और असरानी जैसे कई शानदार कलाकारों की टोली नजर आएगी। एकता कपूर इसकी निर्माता हैं, जिन्होंने पिछली बार ड्रीम गर्ल के प्रोडक्शन का काम भी संभाला था। बता दें कि पिछले साल सितंबर में एक मजेदार वीडियो के साथ निर्माताओं ने ड्रीम गर्ल 2 का ऐलान किया था।

अगर आपको आयुष्मान का काम पसंद हैं और घर बैठे-बैठे उनकी फिल्मों का लुत्फ उठाने की सोच रहे हैं तो उनकी ड्रीम गर्ल और शुभ मंगल सावधान आप जी5 पर देख सकते हैं। अनेक नेटफ्लिक्स पर तो अंधाधुन जियो सिनेमा पर देखी जा सकती है।

# 28 साल बाद इंडस्ट्री में वापसी करने जा रही शांति प्रिया सरोजनी नायडू की बायोपिक में निभाएंगी खास किरदार

90 के दशक में कुछ हिट फिल्में करने के बाद लोकप्रिय अभिनेत्री शांति प्रिया बॉलीवुड से गायब हो गई थीं। इसके बाद उन्होंने कुछ क्षेत्रीय फिल्मों में काम किया। वह डांस के क्षेत्र में सक्रिय रहीं और कई कार्यक्रमों में नजर आती रहीं। अब करीब 28 साल के ब्रेक के बाद वह फिल्मों में वापसी कर रही हैं। 53 वर्षीय अभिनेत्री सरोजिनी नायडू की बायोपिक में नजर आने वाली हैं।

सरोजिनी नायडू की बायोपिक सरोजिनी में शांति प्रिया उनका किरदार निभाएंगी। युवा सरोजिनी के किरदार में सोनल मॉन्टीरियो नजर आएंगी, जबकि वृद्ध सरोजिनी का किरदार शांति प्रिया निभाएंगी। फिल्म में हितेन तेजवानी सरोजिनी के पति गोविंद और जरीना वहाब उनकी मां के किरदार में नजर आएंगी। सरोजिनी का निर्देशन विनय चंद्र कर रहे हैं। यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगू और कन्नड़ में रिलीज होगी।

अभिनेत्री ने कहा, मैं खुश हूं कि यह फिल्म चार भाषाओं में बन रही है। इससे सरोजिनी नायडू की कहानी ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचेगी। इस बायोपिक में काम करके मुझे फिल्म जगत में काम करने के नए तरीकों के बारे में पता चला। इस किरदार के लिए मुझे 10-12 किलो वजन बढ़ाना पड़ा। जब काम चुनौतीपूर्ण होता है तो ऊर्जा अपने आप आ जाती है। मैंने बड़े पर्दे को बहुत मिस किया।

पिछले साल मार्च में शांति प्रिया ने इंस्टाग्राम पर इस फिल्म की घोषणा की थी। उन्होंने लिखा था, मुझे इतनी सशक्त और महत्वाकांक्षी महिला का किरदार निभाने का मौका मिला है, इससे मैं बेहद खुश हूं। मेरे पास इसे जताने के लिए शब्द नहीं हैं। मैं इस किरदार के साथ न्याय करने का हर मुमकिन प्रयास करूंगी। मैं आप सबको यह दिखाना का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि ऐसे महत्वपूर्ण किरदारों के साथ मैं क्या कर सकती हूं।

इस फिल्म में सरोजिनी का किरदार पहले रामायण की सीता दीपिका चिखलिया निभाने वाली थीं। बाद में फिल्म को हिंदी के अलावा अन्य भाषाओं में बनाने का फैसला किया गया जिसके बाद फिल्म में शांति ने दीपिका को रिप्लेस किया।

# फेफड़ों की कार्यक्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकती हैं ये 5 एक्सरसाइज

फेफड़े शरीर के हर हिस्से में ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करते हैं। हालांकि, कुछ संक्रमण और बीमारी के साथ-साथ बढ़ती उम्र के कारण फेफड़ों की कार्यक्षमता प्रभावित होने लगती है। इस वजह से शरीर को ढंग से ऑक्सीजन न मिलने, सांस फूलने और कई फेफड़ों संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। आइए आज हम आपको पांच ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जिनका नियमित अभ्यास फेफड़ों की कार्यक्षमता बेहतर करने में मदद कर सकता है।

### बैलून एक्सरसाइज

यह एक्सरसाइज भी फेफड़ों की कार्यक्षमता को बढ़ाने में काफी मदद कर सकती है। इस एक्सरसाइज को करने के लिए आपको अपने मुंह से गुब्बारे फुलाने होंगे। दरअसल, गुब्बारा फुलाने के दौरान गहरी सांस लेते है, जिसकी वजह से फेफड़ों में अधिक मात्रा में ऑक्सीजन पहुंचती है और शरीर में ब्लड ऑक्सीजन की कमी नहीं होती हैं। इसके अतिरिक्त, इस एक्सरसाइज से पसलियों पर भी सकारात्मक असर पड़ता है।

### लिप ब्रीथिंग एक्सरसाइज

इस एक्सरसाइज को आप टीवी देखते-देखते या फिर कोई भी काम करते समय कर सकते हैं। लिप ब्रीथिंग करने के लिए नाक से सामान्य तरीके से सांस लें। इसके बाद होंठों से सांस को इस तरह धीरे-धीरे छोड़ें जैसे कि केक पर लगी मोमबत्तियों को बुझाने के लिए फूंक मारी जाती है। इस क्रम को आप पांच से छह बार या फिर अपनी सुविधानुसार दोहरा सकते हैं। इस एक्सरसाइज से फेफड़े और हृदय के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

### एरोबिक्स एक्सरसाइज

एरोबिक्स एक्सरसाइज के नियमित अभ्यास से फेफड़ों की कार्यक्षमता बेहतर होती है, जिससे ऑक्सीजन का प्रवाह भी अच्छा होता है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। एरोबिक एक्सरसाइज में आप अपने वर्कआउट रूटीन में स्विमिंग, रनिंग, जॉगिंग, साइकिलिंग और वॉकिंग आदि को शामिल कर सकते हैं। इन एक्सरसाइज को रोजाना 20-30 मिनट तक करने से आपको फेफड़ों संबंधित कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

### माउंटेन क्लाइंबर एक्सरसाइज

माउंटेन क्लाइंबर के लिए सबसे पहले जमीन पर घुटनों के बल बैठें, फिर अपनी दोनों हथेलियों को जमीन पर रखें। अब अपने दोनों पैरों को पीछे की ओर सीधा कर लें। इसके बाद अपने दाएं पैर के घुटने को मोड़ें और इसे अपनी छाती की ओर लाएं। इसके बाद इसे सीधा करें। जब आप दाएं पैर को सीधा करें और अपने बाएं पैर के घुटने को अपनी छाती की ओर लाएं। कुछ मिनट तक ऐसे ही पैरों को चलाते रहें।

### डायाफ्रामिक ब्रीथिंग

इस एक्सरसाइज के लिए किसी समतल और शांत जगह पर सीधे बैठ जाएं या फिर पीठ के बल लेट जाएं। अब अपना एक हाथ सीने पर और दूसरा पेट पर रखें। इसके बाद नाक से सामान्य तरीके से ऐसे सांस लें कि पेट ज्यादा से ज्यादा अंदर की ओर सिकुड़े और फिर धीरे-धीरे नाक से सांस छोड़ें। इस एक्सरसाइज को एक से दो मिनट दोहराने के बाद सामान्य हो जाएं।

# पतली और नुकीली नाक दिखाने के लिए इस्तेमाल करें ये मेकअप टिप्स

**नुकीली और पतली दिखने वाली नाक सभी महिलाओं को पसंद होती है क्योंकि यह आपके चेहरे को अधिक आकर्षित और सुंदर बनाती है। ऐसी नाक पाने के लिए कुछ सेलिब्रिटी प्लास्टिक सर्जरी भी करवाती हैं। हालांकि, कुछ मेकअप टिप्स की मदद से महिलाएं पतली और नुकीली नाक का लुक पा सकती हैं। आइए आज हम आपको इसके लिए कुछ बेहतरीन टिप्स बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप नुकीली और पतली नाक का भ्रम उत्पन्न कर सकती हैं।**

### नाक की हड्डी को हाईलाइट करें

नाक को पतला और नुकीला दिखाने के लिए सबसे पहले अपनी त्वचा की टोन से एक या दो शेड हल्का चमकीला हाइलाइटर लगाएं। हाइलाइटर को धीरे से ऊपर से नीचे की ओर एक पतली लाइन में अपनी नाक के बॉल यानी नाक के आगे के हिस्से पर लगाएं। हाइलाइटर लगाते वक्त याद रखें कि ये लाइन बहुत चौड़ी न हो, इससे लुक खराब हो सकता है। आप हाइलाइटर की जगह ऑफ-व्हाइट या न्यूड आईशैडो का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

### नाक के सिरे को ऐसे करें डार्क

यदि आप अपनी नाक की नोक को थोड़ा नुकीला और ऊपर उठाना चाहती हैं तो मैट ब्रोंजर या त्वचा के टोन वाले आईशैडो शेड का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए नाक की वी शेप और नोक पर भूरे रंग का ब्रोंजर या आईशैडो लगाएं। इसके बाद एक सॉफ्ट स्पंज या ब्रश का इस्तेमाल करके इसे अच्छी तरह से ब्लेंड करके नोक को डार्क कर लें।

### ब्रो बोन पर कंटूरिंग करें

कंटूरिंग आपकी नाक को नुकीला और पतला दिखाने का सबसे अच्छा तरीका है। इसके लिए एंगल्ड ब्रश का इस्तेमाल करते हुए अपनी आईब्रो की हड्डी (ब्रो बोन) से लेकर नाक की नोक तक हल्की कंटूर लाइन बनाएं। नाक की नोक तक लाइन बनाने के बाद नाक के कर्व के हिसाब से ही आगे की लाइन बनाएं और फिर अंत में लाइन को गोल ब्लेंड करें। कंटूर अच्छे से ब्लेंड हो जाए, इसके लिए एक क्रीम कंटूर चुनें।

### हैवी आई मेकअप करने से बचें

नाक पर कंटूरिंग मेकअप करने के बाद ट्रांसलूसेंट सेटिंग पाउडर से मेकअप को सेट जरूर करें। इस लुक के बाद यदि आप हैवी आई मेकअप करने के बारे में सोच रहें तो ऐसा करने से बचें क्योंकि यह आपकी नाक को मोटा दिखाता है। इसकी बजाय अपने आंखों पर न्यूड और लाइट मेकअप करें। इसके लिए ऐसा आईशैडो शेड चुनें, जो आपकी त्वचा की टोन से मिलता-जुलता हो।

दुर्ग, सुपेला और कोहका के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

### साधु संतों के माध्यम से जीवन जीने का अवसर मिलता है

# स्नान की पुनर्मान्यता को भूपेश ने स्थापित किया है : डॉ महंत

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। छत्तीसगढ़ के प्रयागराज के नाम से प्रसद्धि राजिम के त्रिवेणी संगम के तट पर आयोजित राजिम माघी पुन्नी मेला में संत समागम समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने भगवान राजीवलोचन की प्रतिमा में दीप प्रज्वलित और पूजा अर्चना कर किया। इस अवसर पर धर्मस्व एवं पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू, राजिम विधायक अमितेश शुक्ल, अभनपुर विधायक धनेन्द्र साहू, सिहावा विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव, राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत रामसुंदर दास जी महाराज उपस्थित थे। इस अवसर पर विधानसभा डॉ महंत ने कहा कि आस्था संस्कृति एवं संस्कार संगम है। साधु संतो के माध्यम से जीवन जीने का अवसर मिलता है। उन्होंने रामायण की चौपाई कटै कोटि अपराध पढ़ा और उनका अर्थ भी बताया। उन्होंने आगे कहा कि स्नान की पुर्नमान्यता को भूपेश ने स्थापित किया है।

उन्होंने पवन दीवान के राख वाली कविता मंच में सुनाई और श्रद्धांजलि अर्पित किया। पूर्व मुख्यमंत्री श्यामाचरण शुक्ल को भी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर धर्मस्व मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि भूपेश सरकार ने छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया नारा को चरितार्थ किया है। राजिम माघी पुन्नी मेला को कुंभ से परिवर्तित किया गया है। हर बार मेला में कुछ न कुछ परिवर्तन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के आध्यात्मिक, ऐतिहासिक, पुरातत्विक बिन्दुओं प्रदर्शनी के माध्यम से उभार रहे हैं। तीनों नदी के पानी को एक स्थान पर मिलाकर पुण्य स्नान की व्यवस्था किया गया है। दिखावा से कोसो दूर माघी पुन्नी मेला को हम रखना चाहते हैं। दिखावा संस्कृति खत्म किया जा रहा है। पिज की संस्कृति से हटकर ठेठरी, खुरमी की संस्कृति ला रहे हैं।

अभनपुर विधायक धनेन्द्र साहू ने कहा कि कुंभ के नाम से जो प्रदूषण हो रहा था, उसे दूर करने के लिए हमारी सरकार ने प्राचीन तरीके से पुन्नी मेला का आयोजन किया गया। उन्होंने लोगों को जानकी जयंती और संत समागम की बधाई देते हुए कहा कि हमें जब भी यहां आने का मौका मिलता है। आलौकिक ऊर्जा और आनंद प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि राजिम यह मध्य भारत का सबसे बड़ा तीर्थ रहा है। छत्तीसगढ़ के अलावा महाराष्ट्र के लोग बड़ी संख्या में आते थे। धीरे-धीरे मेला का स्वरूप मड़ई से भी छोटा हो गया था, हमारी सरकार ने उसे गौरवमयी स्थान प्रदान किया। श्रद्धा, भक्ति का केन्द्र बिन्दू है। त्रिवेणी संगम में डूबकी लगाने से ऊर्जा प्राप्त होता है। भगवान श्रीराम ने छत्तीसगढ़ में बहुत अधिक समय बिताया है, जिसके कारण 75 स्थानों को राम वनगमन पथ के रूप में चिन्हांकित कर विकास किया जाएगा। विधायक अमितेष शुक्ल ने कहा कि महंत जी विधानसभा अध्यक्ष ही नहीं हमारे परिवार के सदस्य भी है, जिससे परिवार स्नेह चला आ रहा है। उन्होंने कहा कि त्रिवेणी संगम में ईश्वर का वास है। साथ ही साधु संतों का वास है। राजिम आराध्य क्षेत्र है। श्री शुक्ल ने कहा कि कई दशकों से पुन्नी मेला का महत्व रहा है। पिताजी ने बताया कि बैलगाड़ी से मेले आते थे। लंबे समय से शराब बंदी की मांग की जा रही थी, जिसका समर्थन शंकराचार्य ने भी किया था। हमारी सरकार आते ही 15 दिनों तक शराब बंदी किया गया। महंत रामसुंदर दास ने कहा कि सनानत काल से राजिम माघी पुन्नी मेला हमारे पूर्वजों को आशीर्वाद है। भूपेश बघेल ने राजिम को संवारने और सजाने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने रामवन गमन परिपथ को विकसित कर रहे हैं। हमारी ऋषि और कृषि की संस्कृति है। पंचगव्य गाय से ही मिल सकती है। हमारे पूर्वज खेती किसानी करते थे। गौ माता की कृपा से हम समृद्ध हो रहे है। छत्तीसगढ़ एक ऐसा राज्य है, जहां दो रूपए में गोबर खरीदा जाता है। गोबर से पेंट बनाया जाता है। पिछले चार साल पहले से ही गाय को गले लगाने के नाम से छत्तीसगढ़ सरकार ने शुरूआत कर दी थी। जिसे आज के दिन घोषित कर दी गई।

कार्यक्रम को सिहावा विधायक लक्ष्मी ध्रुव ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आज यहां धर्म क्षेत्र में आकर ऊर्जा प्रदान होता प्राप्त होता है। छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास हो रहा है। कलेक्टर श्री प्रभात मलिक ने राजिम माघी पुन्नी मेला के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मूल स्वरूप को बरकरार रखते हुए राजिम मेले का आयोजन किया जा रहा है। राजिम में राम वनगमन परिपथ का मूर्त रूप लेने से राजिम की गरिमा और बढ़ गई है। घाटों को लाल पत्थर से सौंदर्यीकरण किया गया है।

पुरातात्विक महत्व के स्थल सीताबाड़ी में इस वर्ष श्रद्धालुओं के लिए विषेष लाईटिंग की गई है। समारोह में पूर्व विधायक गुरूमुख सिंग होरा, शद्दानी दरबार के संत युधिष्टिर लाल, ब्रह्मकुमार नारायण भाईजी, कबीर पंथ के विचार साहेब, महंत उमेशानंद गिरी जी महाराज, स्वामी सिद्धश्वरांनद महाराज, ब्रम्हाकुमारी हेमा बहन जी, ब्रम्हाकुमारी पुष्पा बहन जी, संत गोकुल गिरी, गोबरा नवापारा पालिका अध्यक्ष धनराज मध्यानी, राजिम नगर पंचायत अध्यक्ष रेखा सोनकर, जनपद अध्यक्ष पुष्पा जगन्नाथ साहू, पुलिस अधीक्षक अमित तुकाराम कांबले, जिला पंचायत सीईओ रीता यादव, अपर कलेक्टर अविनाश भोई, वरिष्ठ अधिकारी गण और श्रद्धालु गण मौजूद थे।

### जानकी जयंती पर श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

## साहू समाज एवं कबीर पंथ द्वारा निकाली गई भव्य शोभायात्रा

**राजिम।** राजिम माघी पुन्नी मेला में 14 फरवरी जनकी जयंती के अवसर पर दूसरा पर्व स्नान किया गया। जानकी जंयती के पावन अवसर पर कबीर पंथ एवं साहू समाज राजिम द्वारा भव्य जुलुस निकाला गया। यह जुलुस महामाया मंदिर से निकलकर सुंदरलाल शर्मा चौक, गायत्री मंदिर, वीआईपी रोड, श्रीराजीव लोचन मंदिर होते हुए कुंड में समापन हुआ। जानकी जयंती के अवसर पर श्रध्दालुओं ने स्नान कर पुण्य लाभ उठाया। महिलाएँ सहित पुरूष व बच्चे स्नान उपरांत सूर्यदेव को अर्ध्य दिया तथा रेत से शिवलिंग बनाकर जलाभिषेक किया। ऐसी मान्यता है कि जानकी जयंती के दिन जो भी विधि-विधान पूर्वक पूजन कर व्रत रखता है, उसें सोलह महादान, पृथ्वी दान व समस्त तीर्थ दर्शन का फल मिलता है। इस दिन सुहागिनें व्रत रखकर अपने पति की लम्बी उम्र की कामना भी करती है। उल्लेखनीय हैं कि छत्तीसगढ़ के प्रयाग भूमि राजिम में जानकी जंयती स्नान का विशेष महत्व हैं। लोककथा के अनुसार त्रेतायुग में वनवास के दौरान राम लक्ष्मण सहित देवी सीता ब्रम्हऋषि लोमश से मिलने नदी मार्ग से होते हुए आश्रम पहुंचे और चर्तुमास रूककर आसुरी शक्तियों का समूह नाश किया। इस दौरान नदी में स्नान कर देवी सीता ने रेत से शिवलिंग बनाकर जलाभिषेक कर पूजन किया। तब से रेत से शिवलिंग बनाने की परम्परा चल पड़ी। माना जाता है कि इस तरह अनुष्ठान करने से हरि और हर सहित देवी सीता प्रसन्न होकर अबाध कृपा बरसाती है। शोभायात्रा में प्रमुख रूप से राजिम भक्तिन मंदिर समिति के अध्यक्ष लाला साहू, कबीर पंथ के आचार्य श्रवण साहेब जी, महंत दाऊदास जी, महंत ननकू दास जी, महंत खगेश दास जी, महंत पप्पूदास जी, दीवान ठाकुर राम, पुराजी नारायण दास जी, इंदरमन दास, कृष्णा दास, कबीर आश्रम राजिम के अध्यक्ष मेघनाथ साहू, भवानी शंकर साहू, भोले साहू, श्याम साहू, रामकुमार साहू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

### राजिम मेला के मंच में भव्य कवि सम्मेलन

## शिक्षा व संदेशप्रद कविता का किया पाठ

**राजिम।** राजिम माघी पुन्नी मेला में 13 फरवरी को संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सौजन्य से सांस्कृतिक मंच क्र. 2 में त्रिवेणी संगम साहित्य समिति राजिम नवापारा द्वारा कवि सम्मेलन किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष पुष्पा जगन्नाथ साहू एवं नगर पंचायत अध्यक्ष रेखा जितेन्द्र सोनकर, राजिम के पार्षद पुष्पा गोस्वामी अतिथि के रूप में मौजूद थे। अतिथि उद्बोधन में जनपद अध्यक्ष पुष्पा साहू ने कहा कि साहित्य समाज का सृजन करता है एवं संस्कृति को आगे बढ़ाता है। नगर पंचायत अध्यक्ष रेखा जितेन्द्र सोनकर ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है। समाज को अच्छा व बुरा का दिशा निर्देश देते हुए अपने शब्दों को पिरो कर कविता के माध्यम से हम सबको सचेत करते रहते है। जिसके लिए धन्यवाद के पात्र है। पुष्पा गोस्वामी ने कहा कि कवि लोग हमारे समाज को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है। कार्यक्रम में सुखेन साहू, नदी मंच प्रभारी किशोर निर्मलकर, मंच संचालक दिनेश्वर साहू का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में सर्वप्रथम तुषार शर्मा के द्वारा माता सरस्वती वन्दना से कविता की बौछार कर दी। जिसमें मकसूदन साहू बरीवाला ने कोका कोला कोल्डिंग एवं भारतीय पेय पदार्थ नींबू पानी पर जबरदस्त व्यंग्यात्मक कविता पाठ किया। कई आवार्डो से सम्मानित एवं मीरा से सम्बोधित होने वाली कवयित्री केंवरा यदु ने बेटी पर कविता पढ़ी। मोहनलाल मानिकपन ने संस्कार पर कविता पढ़ा। रोहित साहू माधुर्य ने भारतीय जवानों पर कविता सुनाई। संतोष प्रकृति ने त्रिवेणी संगम, डॉ. रमेश कुमार सोनसायटी ने समसामयिक नशा नाश की जड़ है एवं राजिम माघी पुन्नी मेला पर कविता पढ़ा।

## कलेक्टर ने किया पुन्नी मेला का निरीक्षण

**राजिम।** 14 फरवरी को राजिम माघी पुन्नी मेला के संत समारोह का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के तैयारी को लेकर 13 फरवरी को गरियाबंद कलेक्टर श्री प्रभात मलिक राजिम मेला के व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने संत समागम क्षेत्र, शासकीय प्रदर्शनी, सरस मेला सहित मेला स्थल के विभिन्न स्थानों का पैदल चलते हुए जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ रीता यादव, अपर कलेक्टर अविनाश भोई, गरियाबंद एसडीएम भूपेन्द्र साहू सहित सम्बंधित विभाग के आला अधिकारी मौजूद थे। ज्ञात हो कि आज शाम 7 बजे संत समागम का शुभारंभ होगा। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

# रंग झरोखा के गम्मत ने दर्शनार्थियों को किया लोटपोट कड़ाके की ठंड में भी दर्शक अपनी जगह पर टिके रहे

**राजिम।** मुख्य मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने दर्शकों को ऐसा परवान चढ़ा कि तेज हवा और कड़ाके की ठंड ने भी दर्शकों को डिगा नहीं पाए। दर्शक दीर्घा में दर्शकों की भीड़ छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध लोक मंच दुष्यंत हरमुख के रंग झरोखा का आनंद देर रात तक लेते रहे। उनके सुप्रसिद्ध गीतों की जब बौछार शुरू हुई तो स्वर के आनंद में दर्शक दीर्घा खुद-ब-खुद गोता लगाते रहे। उनके द्वारा गाए गए हर गीत का लुफ्त उठाते हुए दर्शक दीर्घा में मौजूद लोग अपने जगह पर ही थिरकते नजर आए। सोमवार की रात मेला अवधि में सबसे सर्द रात थी लगातार 3 घंटे तक अपने सुरो की गंगा में गोता लगाने पर मजबूर कर दिया।

दुष्यंत हरमुख ने अपनी पहली प्रस्तुति ब्रम्हा, विष्णु, महेश तीनों देवों को पूजा करते हुए की गई। इसी के साथ देवार कर्मा और कर्मा ददरिया जिसमें मटके मोर आंखी लचके

मोर कनहिया.... पानी ले जियतभर ले ऐसे गीतों की प्रस्तुति ने मंच के द्वारा रंगझरोखा कलाकारों ने अपनी छाप छोड़ते रहे। स्व. रामचंद देशमुख, खुमान साव को स्मरण करते हुए मोर मन बगीया म फुल.... के माध्यम से अपने गुरू को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम कर अगली कड़ी तोल भरोसा मोर मया के हावे ... ने दर्शकों को भी बहुत आनंदित किया। खिनवा नई मांगों मेहा.. सजना मोर परदेश... गीतों ने समा बांध दिया। इन्हीं गीतों की प्रस्तुति के बाद गम्मत नौसीखिया रामलीला की प्रस्तुति दी गई। जिसमेंएक से बढ़कर एक हास्य पद वाक्य सुनाकर बैठे दर्शक खूब जोर-जोर से हंसते हुए लोट-पोट हुए। इसके बाद अगली प्रस्तुति तोर पैरी के झुन-झुन मोर दिल.... साथ ही रंगझरोखा के संस्थापक, निर्माता, निर्देशक दुष्यंत हरमुख ने संगी रे मोला सुरता में डाले जैसे गीतों की प्रस्तुति दी। इस गीत को सुनकर दर्शकों ने भी खूब आनंद लिये। इसके पूर्व महासमुंद से आए माधुरिमा लोककला मंच से के पवन कुमार ने छत्तीसगढ़ी परम्पराओं से परिपूर्ण कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। जय गणराज..., अरपा पैरी के धार..., झारा-झारा दिया बाती ओ.... छत्तीसगढ़ी गीत के साथ हिन्दी फिल्म आशिकी के गीत गाकर अपने स्वर को बदलते हुए और दर्शकों का मनोरंजन किया।

मया होगे रे तोर संग..... ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। लोककला मंच मधुरिमा ने दर्शकों की खूब वाहवाही लुटी। कलाकरों का सम्मान स्थानीय जनप्रतिनिधियों, केन्द्रीय समिति के सदस्यों द्वारा किया गया। मंच का संचालन निरंजन साहू द्वारा किया गया।

### नागा साधुओं ने निकाली पेशवाई

# आलौकिक श्रृंगार के साथ अस्त्र सस्त्र का किया प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम माघी पुन्नी मेला में पहुंचे पंचनामा जुना अखड़ा से नागा संत-सन्यासियों द्वारा भगवान दत्तात्रेय का आह्वान करते हुए पेशवाई निकाली गई। यह पेशवाई दत्तात्रेय मंदिर से शस्त्र पूजन कर आरंभ किया गया। दत्तात्रेय मंदिर में नागा साधु अपने आराध्य भगवान दत्तात्रेय का पूजा अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर दत्तात्रेय मंदिर के सर्वराकार रामकुमार गोस्वामी, किशोर गोस्वामी, हर्ष गोस्वामी, बलराम गोस्वामी, शिवराज देवांगन, संतोष शर्मा, योगेश शुक्ला, भावना गोस्वामी, अनीता गोस्वामी, सुहासिनी गोस्वामी, कमलाबाई सविता गोस्वामी आदि नागा साधुओं की सेवा में लगे रहे। पेशवाई दत्तात्रेय मंदिर से प्रारंभ होकर सुंदरलाल शर्मा चौक, गायत्री मन्दिर मार्ग, व्हीआईपी मार्ग, मेला मैदान होते हुए लोमष ऋषि आश्रम स्थित अपने पंडाल में पहुंचे, जहां विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर भगवान दत्तात्रेय को स्थापित किया गया। पेशवाई में छत्तीसगढ़ साधु समाज अध्यक्ष उमेशानन्द गिरि महाराज, राजिम मेला अध्यक्ष दिगंबर जनकपुरी, थानापति कमलेशानंद सरस्वती, जमातिया महंत रामगिरि, थानापति बिसम्भर भारती, थानापति सनत पुरी, थानापति रविगिरी, सत्यानन्द, पुजारी रामेश्वर पूरी, कोतवाल गणपति पुरी, सुशांत पुरी, मन्नुगिरी सहित बड़ी संख्या में नागा साधु शामिल थे। पेशवाई के दौरान नागा साधु अपने आखाड़ो का विभिन्न करतब दिखाते व शस्त्र प्रदर्शन करते हुए निकले। उक्त अखाड़ों को देखने एवं नागा-साधुओं का आशीर्वाद प्राप्त करने सड़कों के किनारे श्रध्दालुओं की भीड़ भक्ति भाव व रोमांच के साथ उमड़ पड़ी। वहीं जनता उन पर फूल बरसा कर अपनी श्रध्दा व्यक्त की। दिगंबर जनकपुरी महाराज ने बताया कि पेशवाई निकालने का अर्थ यह होता है कि अब मेला शुरू हो गया है। अखाड़ा में भगवान दत्तात्रेय के प्रतिबिंब को प्रवेश कराते हैं। दत्तात्रेय मंदिर से भगवान दत्तात्रेय की प्रतिबिंब को पालकी में विराजित कर लाया जाता है। इस पेशवाई यात्रा में नागा-साधु, सन्यासियां अपने पारंपरिक आलौकिक श्रृंगार के साथ अस्त्र शस्त्र का प्रदर्शन करते हुए आगे बढ़ रहे थे। इस यात्रा के दौरान साधु संतों से उपस्थित जनसमूह की सुरक्षा तथा व्यवस्था को मदेनजर रखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तौद नजर आया, ताकि व्यवस्था में किसी प्रकार को कोई व्यवधान न पड़े और ना ही आने वाले दर्शनार्थी किसी प्रकार की असुविधाओं का सामना करने पड़े।

Y Fitness
start 17500/-
Bajaj Finance Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin Gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

### 22 साल के युवक का 42 साल की शादीशुदा महिला के साथ था प्रेम संबंध

# पैसों को लेकर प्रेमी ने प्रेमिका को उतारा मौत के घाट

**रायपुर (ए)।** छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के मुर्रा भट्ठी लोधीपारा गुढियारी में उस वक्त हड़कंप मच गया जब सनकी प्रेमी ने दोगुनी उम्र की प्रेमिका की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि मृतक महिला शादीशुदा थी। उसके दो बच्चे हैं।

### ये है पूरा मामला

दरअसल, यह मामला गुढियारी थाना क्षेत्र का है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपित 22 वर्षीय मोहम्मद सुलतान और 42 वर्षीय महिला इमराना एक ही बिरयानी सेंटर में दो ढाई साल पहले मिले थे, जहां दोनों के बीच आपस में बातचीत शुरू हुई और बातचीत के बाद दोनों में प्रेम प्रसंग चला।

### पैसों को लेकर हुआ दोनों के बीच हुआ विवाद

इसके बाद आज सुबह युवक महिला के घर पहुंचा और वह उससे पुराने पैसे की बात करने लगा। युवक का कहना था कि वह 8 महीने से खुद का बिरयानी सेंटर चला रहा था जिसमें उसको नुकसान हुआ है, कुछ पैसे दे दे। इसी बात पर दोनों के विवाद हुआ।

दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में प्रेमी ने प्रेमिका का सिर दीवार में पटक दिया। इसके बाद तकिए से उसके मुंह को दबाकर उसकी हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि महिला की दो बच्चे हैं। मृतक महिला बेटी के लिए शादी की बात करने कुछ दिन पहले वह उत्तर प्रदेश गई हुई थी। वहीं पति नारायणपुर में लगे मावली मेले में बच्ची के साथ गया हुआ है। आगे पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

## खास खबर

### पुलिस अफसर बताकर लड़की ने लड़के से की मोहब्बत, फिर ठग लिए लाखों रुपए

**कबीरधाम (ए)।** सुंदर लड़की से मोहब्बत करने के चक्कर में पंडरिया ब्लाक का एमबीए पासआउट एक युवक सोशल मीडिया के माध्यम से ठगी का शिकार हो गया। पीड़ित युवक से लड़की ने पिछले एक वर्ष में प्रेम-प्रसंग और स्वयं की मजबूरी बताकर 17.51 लाख रुपये कई किस्तों में ले लिए वहीं वापस करने की बात जब युवक ने की, तो लड़की ने मना कर दिया। तब जाकर युवक को ठगी का एहसास हुआ। जिसने पूरे मामले की जानकारी देते हुए कुंडा थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी दामापुर में 13 फरवरी को मोहब्बत में ठगी के नाम से शिकायत दर्ज कराई। लड़की ने स्वयं को दिल्ली पुलिस विभाग में कार्यरत बताया था। वहीं राशि ठगने के लिए लड़की ने युवक को बताया कि कार्य के दौरान एक शूट में विभागीय जांच चल रही है। जिससे चार महीने सैलरी नहीं आ रही है। इसके बाद युवक लड़की के बहकावे में आकर राशि ट्रांसफर करने लगा।

पुलिस ने बताया कि प्रकरण में अज्ञात मोबाइल नंबर धारक के खिलाफ धारा 420 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच किया जा रहा है। पीड़ित ने कई दस्तावेज प्रस्तुत किए है। इसी के माध्यम से जांच जारी है। जल्द ही आरोपित गिरफ्त में होगा। पीड़ित युवक दामापुर पुलिस चौकी क्षेत्र का है। पुलिस की माने तो कथित युवती ने युवक से सोशल मीडिया से पहचान बनाई। साथ ही लड़की ने बताया था कि उसके माता-पिता आर्मी में और बहन एयरपोर्ट में कार्यरत है। वहीं अपना नाम नेहा कानिटकर बताया। युवक के साथ 30 जनवरी 2022 से बातचीत शुरू कर दी। साथ ही शादी किए जाने का बात की। इसके साथ ही पूरे साल भर से लड़की ने युवक से रुपये ऐंठने शुरू कर दिए। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना में ले लिया है।

### निजी फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवक ने ऐंठे 50 हजार, आरोपी गिरफ्तार

**रायगढ़ (ए)।** जिले के थाना लैलूंगा में आज ग्राम बसंतपुर में रहने वाले युवक द्वारा आरोपी अजय भोय पर उसके निजी फोटो, वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उससे रुपए 50 वसूल कर लेने के बावजूद उसे धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की रिपोर्ट दर्ज कराया गया। पीड़ित के लिखित आवेदन पर लैलूंगा पुलिस द्वारा आरोपी पर उद्दापन धारा 384 आईपीसी के तहत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पीड़ित युवक ने बताया कि 04 फरवरी की रात ग्राम किलकिला मेला देखने जा रहा था। रास्ते में ग्राम नावागांव चौक के पास एक लड़का मिला जो अकेला देखकर डरा धमका कर हाथ मुक्का से मारपीट कर विवो कंपनी का मोबाईल ले लिया। उसके दो दिन बाद वही लड़का कॉल कर तेरे मोबाइल में रखे पर्सनल विडियो फोटो का वायरल कर दूंगा कहकर धमकी देने लगा, जिसका पता करने पर ग्राम खैरबहार केसला के अजय भोय पिता चुड़ामणी भोय होना पता चला । तब मोबाइल लौटा देगा। विचार कर डर से दो बार 25-25 हजार जुमला 50,000 रुपए दे दिया, उसके बाद भी अजय भोय और रुपए की मांग कर धमकी दे रहा है।

# ट्रेन के सामने कूदकर महिला समेत दो लोगों ने दी जान

**भिलाई।** भिलाई के चंद्रा मौर्या अंडरब्रिज के ऊपर रेलवे के मिडिल लाइन पर दो लोगों ने एक साथ आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने वाली एक युवती और दूसरी महिला है।

आशंका जताई जा रही है कि वे दोनों मां बेटी हैं। ट्रेन की चपेट में आने से दोनों की लाश बुरी तरह से क्षत-विक्षत हो गई है। अभी तक उनकी पहचान भी नहीं हो सकी है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस ने उन दोनों के पहचान की प्रक्रिया शुरू की है। साथ ही पूरे मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस के अनुसार मंगलवार की शाम को करीब साढ़े छह बजे युवती और महिला इंटरसिटी एक्सप्रेस के सामने आई। दोनों ने पोल नंबर 858/25 के पास

ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। मृतकों में युवती की उम्र करीब 20 से 25 साल के आसपास बताया जा रहा है। वहीं महिला की उम्र 40 से 45 साल के बीच होने का अनुमान है। शवों के पास से कोई मोबाइल या दस्तावेज भी नहीं मिले हैं, जिससे उनकी पहचान की जा सके। इंटरसिटी एक्सप्रेस के लोको पायलेट ने कंट्रोल रूम को इसकी जानकारी दी। इसके बाद भट्ठी पुलिस को जानकारी मिली। जिसके बाद भट्ठी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शवों को जब्त कर पीएम के लिए भेजवाया है।

बताया जा रहा है कि दोनों पैदल ही पटरी पर पहुंची थी। इसलिए आशंका जताई जा रही है कि दोनों मृतकाएं आसपास की ही रहने वाली रही होंगी। उनकी पहचान के बाद ही घटना का कारण स्पष्ट हो सकेगा। अनुमान लगाया जा रहा है कि यदि दोनों मृतकाएं मां बेटी रही होंगी तो उन्होंने पारिवारिक विवाद के बाद ऐसा कदम उठाया होगा। भट्ठी पुलिस ने प्राथमिकी कर जांच शुरू की है।

# खंडहर मकान में मिला महिला का कंकाल, जांच में जुटी पुलिस

**रायपुर (ए)।** प्रदेश की राजधानी रायपुरके तेलीबांधा स्थित मिनोचा पेट्रोल पंप के पास एक खंडहर मकान में अज्ञात महिला का कंकाल मिला है।

महिला का कंकाल मिलने से आस-पास के इलाके में सनसनी फैल गई। आस-पास के लोगों ने इसकी सूचना थाने में दी। पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई।

पुलिस ने बताया कि शव का मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट के बाद ही मौत के स्पष्ट कारण सामने आ पाएगा। वहीं कंकाल की पहचान के लिए डीएन के लिए भी भेजा जा सकता है। अज्ञात महिला का कंकाल डेढ़ से दो महीना पुराना लग रहा है। अभी कुछ कहना संभव नहीं है। शुरुआती जांच में केवल महिला का कंकाल है यह स्पष्ट हो सका है। इसके ऊपर कपड़ा ढंका हुआ है। पुलिस के अनुसार जिले के सभी थाने में दो से तीन महीने में गुम इंसानों की जानकारी जुटाई जा रही है। हालांकि अब तक कोई जानकारी हाथ नहीं लगी है। वहीं आस-पास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। यह भी देखा जा रहा है कि वह महिला आखिरी बार वहां आस-पास कब और किसके साथ देखी गई थी। जिस मकान में महिला का कंकाल मिला है वह पूरी तरह से खंडहर है। वर्षों से वहां कोई नहीं रहता। आस-पास से जब लोग गुजरे तो उन्हें बदबू आई। पास जाकर देखा तो वह कंकाल था। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल एफएसएल टीम को सूचना दी। वहां से जरूरी सामान जब्त कर लिया गया है। फारेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा।

# बहू को खुदकुशी के लिए मजबूर करने वाले गिरफ्तार: बाइक के लिए पति, सास-ससुर करते थे प्रताड़ित

**दुर्ग।** दुर्ग पुलिस ने दहेज के लिए अपनी बहू को प्रताड़ित कर खुदकुशी के लिए मजबूर करने वाले पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनकी प्रताड़ना से तंग आकर बहू ने खुद को आग के हवाले करके खुदकुशी कर ली। नंदिनी पुलिस ने जांच में पति, सास-ससुर सहित पांच लोगों को दोषी पाया। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा।

नंदिनी टीआई राजेश मिश्रा ने बताया कि बेमेतरा की रहने वाली तृप्ति साहू नाम की लड़की की शादी साल 2020 में ग्राम- सेमरिया के रहने वाले प्रेमनाथ साहू के साथ हुई। लड़की के पिता ने सामाजिक रीति-रिवाज के साथ शादी की और अपनी क्षमता के मुताबिक दहेज भी दिया।

शादी के बाद ससुराल जाते ही पति प्रेमनाथ, ससुर आनंद राम, सास राम प्यारी, जेठानी लक्ष्मी बाई और जेठ प्रकाश साहू ने दहेज में मोटरसाइकिल की मांग शुरू कर दी। वे तृप्ति को मोटरसाइकिल लाने के लिए मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने

लगे। उन्होंने उसे पिता से डेढ़ लाख रुपए लाने के लिए कहा। जब तृप्ति ने अपने पिता की मजबूरी को देखते हुए ऐसा करने से मना किया तो उसे इतना अधिक प्रताड़ित करने लगे कि उसने मजबूरी में अपने ऊपर मिट्टी तेल छिड़कर आग लगा लिया।

### मां के आरोप पर पुलिस ने दर्ज किया मामला

तृप्ति की मां लता साहू ने नंदिनी पुलिस को बताया कि उसकी बेटी ने ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग आकर खुदकुशी की है। उसने बताया कि उनकी बेटी ससुराल की डिमांड से काफी परेशान रहती थी। इसके चलते 9 जनवरी 2023 की सुबह तृप्ति साहू ने अपने ससुराल में स्वयं के ऊपर मिट्टी तेल डालकर आग लगा लिया। 21 जनवरी को उपचार के दौरान रायपुर अस्पताल में उसने दम तोड़ दिया। इस मामले में नंदिनी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफधारा 304बी, 34 के तहत अपराध दर्ज किया था।

# पैरावट की आग में जिंदा जल गया मासूम राख के साथ मिली बच्चे की लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरिया।** पैरावट में लगी आग के साथ चार साल का मासूम जिंदा जल गया। बच्चे की मां को पता भी नहीं चला कि उसका बच्चा कब पैरावट के पास गया। पैरावट की आग बुझाने के बाद राख के साथ बच्चे का शव देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना कोरिया जिले के सोनहत थाना क्षेत्र का है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार आनन्दपुर निवासी सुखदेव पंडो के घर पर यह दर्दनाक हादसा हुआ। सोमवार दोपहर को वह अपने बेटे के साथ जंगल में लकड़ी लेने गया था। घर पर उसकी पत्नी व चार साल के बेटा शिवा थे। शाम को अचानक बच्चा गायब हो गया और इधर पैरावट में आग लग गई। बच्चे की मां लिपाई पोताई मे व्यस्त बताई जा रही है। बच्चें की मां ने धुआं देखा तो बाहर निकली और आसपास आवाज दी।

इस दौरान पैरावट पूरी तरह से जल गया था और पैरावट की राख में उसके बच्चे की जली अवस्था में लाश पड़ी हुई थी। यह देखकर बच्चे की मां चीख-चीखकर रोने लगी। घटना की सूचना बच्चे के पिता को दी गई। बताया जा रहा है कि कुछ दिनों बाद इनके घर पर शादी का कार्यक्रम था जिसके लिए लिपाई पोताई की जा रही थी और इस बीच यह हादसा हो गया।

# आंगन में काम कर रही महिला की कुल्हाड़ी मारकर हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

**जगदलपुर।** जमीन विवाद के चलते हत्या का सनसनी खेज मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने मंगलवार को आंगन में काम कर रही 55 साल की महिला पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। हमला इतना तेज था कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है। वहीं घटना के बाद आरोपी युवक फरार हो गया है। यह मामला बस्तर जिले के करपावंड थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार जगदलपुर के पास बेलकुटी करहाभाटा की रहने वाली महिला बासमती (55) का गांव के ही मनुराम कश्यप से जमीन विवाद चल रहा है। इस मामले में दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। बताया जा रहा है कि हाल ही में दोनों के बीच विवाद हुआ था। इस दौरान मनुराम ने महिला को जान से मारने की धमकी भी दी थी। इसे महिला ने गंभीरता से नहीं लिया। मंगलवार को बासमती अपने घर के आंगन में काम कर रही थी इस दौरान मनुराम घर में घुसा और कुल्हाड़ी से तीन चार वार कर फरार हो गया। वार इतना घातक था कि बासमती की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चीखपुकार सुन गांव के लोग जमा हुए लेकिन तब तक देर हो गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए भेज दिया। वहीं फरार आरोपी मनुराम की तलाश की जा रही है।


**कार्यालय कार्यपालन अभियंता**
**ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)**
**ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक- 42**
Email Id : ee-res.durg@gov.in

ज्ञा.क्र. 3998/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2022-23 दुर्ग, दिनांक 13.02.2023

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी/अंग्रेजी माध्यम शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| क्र. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत (लाख में) |
|---|---|---|
| 1 | भवन निर्माण (पुरूष महिला शौचालय, सेप्टिक टेंक, वाटर सप्लाई बोर खनन कार्य (भाग-04) पतोरा S.T.No. 124356 | 27.30 |
| 2 | जीर्णोद्धार कार्य (पुरूष शौचालय, सेप्टिक टेंक, वाटर सप्लाई, मेन गेट एवं स्टेज निर्माण कार्य भाग-04) देवादा S.T. No. 124357 | 35.14 |
| 3 | जीर्णोद्धार कार्य (भाग-01) बेल्हारी S.T. No. 124364 | 39.03 |
| 4 | जीर्णोद्धार कार्य (भाग-01) मर्रा S.T.No. 124722 | 39.99 |
| 5 | जीर्णोद्धार कार्य पाहंदा 'अ' S.T.No. 124367 | 31.31 |
| 6 | साईन्स म्यूजियम इन्डोर निर्माण कार्य ग्राम पंचायत मर्रा S.T.No. 124368 | 24.45 |
| 7 | विद्यालय में फ्रंट एलिवेशन कार्य एवं पुराना कमरा का जीर्णोद्धार कार्य जेवरा सिरसा S.T.No. 124369 | 39.99 |
| 8 | विद्यालय निकुम में फ्रंट एलिवेशन कार्य एवं जीर्णोद्धार कार्य निकुम S.T.No. 124370 | 40.00 |
| 9 | जीर्णोद्धार कार्य (भूतल) पेण्ड्रावन S.T.No. 124372 | 39.99 |
| 10 | जीर्णोद्धार कार्य (भूतल) हिर्री S.T.No. 124373 | 39.77 |
| 11 | जीर्णोद्धार कार्य भाग-01 अमलेश्वर S.T.No. 124359 | 39.08 |
| 12 | जीर्णोद्धार कार्य, शौचालय निर्माण, स्टेज निर्माण एवं भवन का रंग रोगन भाग-03 घुघवा 'क' S.T.No. 124362 | 38.53 |

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in में अथवा कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर दिनांक 13.02.2023 से देखी जा सकती है एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 27.02.2023 तक है.

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
दुर्ग (छ.ग.)

जी-98513/6



सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026,
8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

## खास - खबर

### महाशिवरात्रि पर सवा लाख शिवलिंग में होगी विशेष पूजा-अर्चना व महा रुद्राभिषेक

**दुर्ग।** भगवान भोलेनाथ के भक्तों के लिए महाशिवरात्रि का पर्व साल का सबसे बड़ा त्योहार माना जाता है। इस वर्ष महाशिवरात्रि पर की जाने वाली पूजा विशेष फलदायी देने वाली रहेगी।महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी महारुद्रभिषेक कार्यक्रम का वार्ड 21 सिथिया नगर स्थान-संजय सिंह निवास स्थित 50 फिट रोड समय - शाम 5 बजे रखा गया है। जिसमें काम महाराज जी द्वारा रुद्राभिषेक किया जायेगा !विगत कई वर्षों से महाशिवरात्रि पर्व में महा रूद्रभिषेक का आयोजन संजय सिंह का श्रीमती नीलू सिंह द्वारा किया जाता रहा है। इस वर्ष भी सवा लाख शिवलिंग बनाकर महारुद्रभिषेक किया जायेगा। साथ साथ एक दिन पूर्व हल्दी व संगीत का आयोजन रखा गया है। जिसमें 18 फरवरी को रुद्राभिषेक में साथ-साथ भंडरा का भी आयोजन है।कार्यक्रम के संयोजक श्रीमती नीलू सिंह शिव की उपासना से कई गुना अधिक फल होता है प्राप्त जो इस वर्ष 17 फरवरी की रात 8 बजकर 02 मिनट से शुरू होगी और 18 फरवरी की शाम 4 बजकर 18 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में उदया तिथि को देखते हुए इस साल महाशिवरात्रि का पर्व 18 फरवरी 2023, शनिवार को मनाया जाएगा।उन्होंने बताया कि बताया कि इस दिन भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती का विवाह हुआ था।

### राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन

**भिलाई।** सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के सहयोग से लोक उद्यम विभाग (डीपीई) की एक पहल के रूप में स्वैच्छिक सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए परामर्श, पुनर्प्रशिक्षण और पुनर्तैनाती (सीआरआर) योजना पर भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा आधे दिन की कार्यशाला का आयोजन विगत दिनों किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन), एम एम गद्रे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ नितिन अग्रवाल, संयुक्त निदेशक, लोक उद्यम विभाग, भारत सरकार उपस्थित थे। इसके साथ ही मुख्य महाप्रबंधक (एचआरडी एवं बीई), संजय धर भी उपस्थित थे। एनएसडीसी के गणमान्य व्यक्तियों में कैप्टन सुबंधु शर्मा, क्षेत्रीय प्रमुख उत्तर, लॉजिस्टिक सेक्टर स्किल काउंसिल, कृष्ण नंद झा, एजीएम, दूरसंचार एसएससी, तमन्ना चैधरी, प्रबंधक, एनएसडीसी, नम्रता कपूर, प्रबंधक-कंटेन्ट फ्यूचर स्किल, नेजामुद्दीन अहमद, प्रबंधक, प्रबंधन एसएससी मौजूद थे। मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास विभाग एवं बीई) संजय धर ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन एम एम गद्रे ने सभा को संबोधित किया। डॉ नितिन अग्रवाल संयुक्त निदेशक (डीपीई), भारत सरकार ने सीआरआर योजना के बारे में एनएसडीसी के अधिकारियों द्वारा प्रस्तुतीकरण के बाद सभाओं को सीआरआर योजना के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक (कार्मिक-एचआरआईएस) निशा बाउल ने किया। वरिष्ठ प्रबंधक (कार्मिक-नियम और एचआरआईएस) तुषार रॉय चैधरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# रिसाली निगम की एमआईसी ने किया सफाई ठेका निरस्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली महापौर शशि सिन्हा की अध्यक्षता वाली परिषद ने पीवी रमन को दिया गया सफाई ठेका निरस्त कर दिया। ठेकेदार ने ठेका पाने के लिए झूठा शपथ पत्र दिया था। उक्त निर्णय आयुक्त आशीष देवांगन द्वारा गठित जांच टीम के प्रतिवेदन के आधार पर लिया गया। झूठा शपथ पत्र प्रस्तुत करने के मामले को महापौर परिषद के सद्स्यों ने गंभीर माना। परिषद के सद्स्यों ने कहा कि ठेकेदार ने निगम प्रशासन को गुमराह कर ठेका हासिल किया है। जानकारी छिपाने और झूठा शपथ पत्र देने के मामले में अपराध दर्ज कराया जाए।

रिसाली निगम के सफाई ठेका पर सामान्य सभा में गहमा गहमी होने के बाद मंगलवार को महापौर परिषद के

## ठेकेदार ने दिया था झूठा शपथ पत्र

सद्स्यों ने मामले का पटाक्षेप कर दिया। जांच प्रतिवेदन से स्पष्ट हुआ कि सफाई ठेका लेने ठेकेदार पीवीरमन ने अपने शपथ पत्र में इस बात का उल्लेख नहीं किया है कि उसका नाम धमतरी निगम ने काली सूची में शामिल किया है। महापौर परिषद के सद्स्यों ने इसे गंभीर आरोप मानते हुए ठेका ही निरस्त कर दिया। महापौर परिषद की बैठक में महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, परिषद के सद्स्य चन्द्रभान सिंह ठाकुर, गोविन्द चतुर्वेदी, अनुप डे, चन्द्रप्रकाश सिंह निगम, सोनिया देवांगन, सनीर साहू, ईश्वरी साहू, परमेश्वर कुमार, आयुक्त आशीष देवांगन व विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

### पाइप लाइन से रसोई गैस सप्लाई

पाइप लाइन से रसोई गैस सप्लाई करने की कार्य योजना को अंतत: महापौर परिषद के सद्स्यों ने हरि झंडी दे दी है। उक्त कार्य रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित कर पूर्ण कराया जाएगा। इस कार्य का आरंभ करने से पहले एजेंसी को समस्त प्रकार के अनापत्ति प्रमाण पत्र लाकर निगम में पहले प्रस्तुत करना होगा। साथ ही गैस तैयार करने निगम के गोबर खरीदी केन्द्र से निर्धारित दर पर गोबर खरीदना अनिवार्य होगा। वार्ड पार्षद अपने निधि का उपयोग वार्ड की सुरक्षा के लिए भी कर सकतें हैं। पार्षद अपनी निधि से अपने वार्ड में सी.सी. टीवी लगवा सकते है। इस कार्य की स्वीकृति के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है।

## नगरीय निकाय प्रकोष्ठ में प्रदेश प्रचार मंत्री बनने के बाद दया ने पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह का जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

### दया सिंह ने पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह से लिया आशीर्वाद

**भिलाई।** नगर निगम भिलाई के उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह के ऊपर लगातार पूर्व सीएम व भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का आशीर्वाद है। प्रदेश भाजपा संगठन द्वारा लगातार दया को जिम्मेदारी दी जा रही है। हाल ही में दया सिंह को नगर निगम भिलाई का उप नेता प्रतिपक्ष बनाया गया। उसके कुछ दिन बाद दया को प्रदेश नगरीय निकाय प्रकोष्ठ में प्रदेश प्रचार-प्रसार मंत्री का जिम्मा दिया गया है। संगठन द्वारा सौंपे गए जिम्मेदारी के बाद दया सिंह ने पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह से आशीर्वाद के रूप में भेंट-मुलाकात की। इस मुलाकात में संगठन द्वारा सौंपे गए जिम्मेदारियों के लिए दया सिंह ने आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, दया सिंह लगातार जनहित से जुड़े मुद्दे को उठा रहे हैं। संगठन के सभी नेताओं का आभार दया सिंह ने किया है।

### समझाइस के बावजूद कब्जा न हटाने पर निगम लेगा अब बड़ा एक्शन,

# अवैध निर्माण हटाने के दिए सख्त चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। इंदिरा मार्केट मुख्य मार्गो को व्यवस्थित करने के लिए तथा सडक को सुगम बनाने और ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार लाने सहित नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर इंदिरा मार्केट में बाजार व अतिक्रमण विभाग के नेतृत्व में अतिक्रमण कर सब्जी पसरा लगाने वाले उनके द्वारा लगाया गए टेबल, जाली, अवैध निर्माण को हटाने के लिए सख्त चेतवानी दी गई है।

सब्जी पसरा वालों द्वारा नाली को पूर्ण रूप से पाट दिया गया था जिससे मार्केट में जलभराव की स्थिति निर्मित हो जाती है तथा ग्राहकों को परेशानी का सामना करना

पड़ रहा है। नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए निगम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी भी दी गई कि दोबारा ऐसा करते पाए जाने पर उन्हें कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। इंदिरा मार्केट बाजार क्षेत्र में सब्जी विक्रेताओं द्वारा चबूतरे के सामने लोहे की जाली लगाए जाने से सब्जी खरीदने वालों को आने जाने में परेशानी होती है।

आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने अतिक्रमण अधिकारी शिव शर्मा और दुर्गेश गुप्ता को व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए है जिसके तहत बाजार विभाग एवं अतिक्रमण विभाग द्वारा कार्यवाही करते हुए लोहे की जाली को सब्जी वालो से दुकान के आगे से हटाने के लिए कहा नही हटाने पर लोहे की जाली जप्त करने की कार्रवाही की जाएगी। आयुक्त ने कहा कि सभी बाजार क्षेत्र में कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। कार्यवाही के मौके पर अतिक्रमण अधिकारी शिव शर्मा, दुर्गेश गुप्ता, मनोहर गोस्वामी, ईश्वर वर्मा, शशिकांत यादव, भुवनदास साहू, संकेत धर्माकर सहित अमला मौजूद रहे।

### रेलवे के अफसरों ने निकाला उपाय

# अण्डरब्रिज निर्माण से टूट रहा आकाश गंगा व दक्षिण गंगोत्री का संपर्क

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला रेलवे क्रासिंग पर बन रहे अंडरब्रिज निर्माण से दक्षिण गंगोत्री व आकाशगंगा का संपर्क टूट रहा है। इसके लिए यहां के व्यापारी लंबे समय से आंदोलनरत है। हाल ही में दुर्ग सांसद विजय बघेल ने निर्माणी एजेंसी को इसका उपाय निकालने का निर्देश दिया था। मंगलवार को रेलवे के अफसरों व निगम के अधिकारियों ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। इस दक्षिण गंगोत्री को आकाश गंगा से जोड़ने के लिए अंडरब्रिज के ऊपर से सड़क बनाने का संकेत दिया गया है।

मंगलवार को रायपुर रेल मंडल के डिप्टी सीईई गति शक्ति यूनिट आमोद मंत्री ने सुपेला रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहे अण्डरब्रिज स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर निगम भिलाई के ईई अरविंद मिश्रा भी महकमे के अन्य अधिकारियों के साथ मौजूद रहे। रेलवे और निगम अधिकारियों ने स्थानीय व्यापारियों को भी बुलाया और उनकी बातें सुनी। इस दौरान व्यापारियों ने अण्डरब्रिज निर्माण के चलते आकाशगंगा और दक्षिण गंगोत्री मार्केट को आपस में जोड़ने वाली सड़क के बंद हो जाने से

### 3.5 मीटर की बनेगी सड़क

व्यापारियों से चर्चा के बाद डिप्टी सीईई गति शक्ति यूनिट आमोद मंत्री ने रेलवे पटरी के ठीक किनारे के आकाशगंगा से दक्षिण गंगोत्री की ओर एसबीआई एटीएम बूथ के बीच अण्डरब्रिज के ऊपर साढ़े तीन मीटर चौड़ी सड़क निर्माण कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए अण्डरब्रिज के मौजूदा नक्शे में आंशिक फेरबदल भी किया जाएगा जिससे कि सड़क बनाया जा सके। इस सड़क के बनने से आकाश गंगा व दक्षिण गंगोत्री का बाजार जुड़े रहेंगे और व्यापार भी प्रभावित नहीं होगा।

व्यवसायिक नुकसान की बात बताई।

इस दौरान व्यापारियों ने इसका रास्ता निकालने की बात कही। व्यापारियों ने यह भी बताया कि कुछ दिन पहले सांसद विजय बघेल ने यहां पर दोनों छोर को जोड़ने के लिए सड़क निर्माण की बात कही थी। व्यापारियों ने बताया कि अंडरब्रिज बनने के बाद आकाश गंगा से दक्षिण गंगोत्री को जोड़ने वाली सड़क पूरी तरह से बंद हो जाएगी। इस वजह से कारोबार को नुकसान होने की आशंका व्यापारियों को सता रही है।

# रेल्वे स्टेशन में शंकराचार्य निश्चलानंद महाराज से अरूण वोरा ने लिया आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** दुर्ग जिले के ग्राम दमोदा में आयोजित तीन दिवसीय यज्ञ में शामिल हुए जगतगुरु श्री शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद महाराज मंगलवार को जम्मू तवी ट्रेन से दिल्ली के लिए रवाना हुए। इस दौरान दुर्ग रेल्वे स्टेशन में विधायक अरुण वोरा ने शंकराचार्य जी का स्वागत किया और उनसे आशीर्वाद लिया। मुलाकात के दौरान शंकराचार्य जी ने श्री वोरा की उज्जवल भविष्य की कामना की। रेल्वे स्टेशन में श्री शंकराचार्य जी के दर्शन के लिए लोगों की बड़ी संख्या में भीड़ जुटी थी। श्री वोरा के अलावा कांग्रेस के अन्य नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भी श्री शंकराचार्य का स्वागत किया।

# ओ.डी.एफ प्लस ग्राम पंचायतों को मॉडल ग्राम बनाने का अभियान प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत ग्राम पंचायतों के ओ.डी.एफ घोषणा पश्चात् भारत सरकार द्वारा समस्त गांव को ओ.डी.एफ प्लस बनाने हेतु फेस-02 अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यों को मार्गदर्शिका में जोड़ा गया है। नयी मार्गदर्शिका के अनुसार फेस-02 में गीले एवं सूखे कचरे का उचित निपटान घरेलू एवं सामुदायिक स्तर पर ग्राम पंचायत द्वारा किया जावेगा। सूखे कचरे के लिये जहां ग्राम पंचायतों में सेग्रीगेशन वर्कशेड का निर्माण कर ग्राम में रिक्शा के माध्यम से घर-घर कचरा एकत्रीकरण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, वहीं घर से निकलने वाले अपशिष्ट जल के उचित निपटान हेतु सोख्ता गड्ढा एवं त्री-स्तरीय जल शुद्धिकरण इकाई का निर्माण किया जा रहा है। जिसके माध्यम से दूषित जल का शुद्धिकरण कर भूमिगत अथवा तालाब को रिचार्ज किया जायेगा।

इस क्रय में विकासखंड दुर्ग में 06 ग्राम पंचायतों, धमधा में 11 एवं पाटन में 14 ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य प्रारंभ

कर दिया गया है। सभी 385 गांव में सभी हैण्डपम्प के साथ सोख्ता गड्ढा निर्माण कर दिया गया है एवं सामुदायिक स्थानों पर जमा हो रहे गंदे जल हेतु सोख्ता गड्ढे का निर्माण किया जा रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 अंतर्गत नवीन मार्गदर्शिका अनुसार भारत सरकार द्वारा सर्वेक्षण किया जावेगा।

पुष्पेन्द्र मीणा, कलेक्टर दुर्ग द्वारा मॉडल ग्राम पंचायतों में ओ.डी.एफ प्लस के सभी मापदण्डों को स्थायी रूप से बनाए रखने के साथ-साथ ग्राम की स्वच्छता व सौदर्यीकरण किये जाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रति सप्ताह समय-सीमा बैठक में मॉडल ग्राम पंचायतों की कार्य प्रगति की समीक्षा की जा रही है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत दुर्ग, धमधा एवं पाटन को व्यक्तिगत रूचि लेते हुए आदर्श ग्राम बनाने हेतु जिम्मेदारी सौपी गई है। इसी क्रम में मॉडल ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा लेकर ग्रामीणों को जागरूक एवं प्रचार-प्रसार किये जाने का कार्य अभियान का रूप ले चुका है। प्रतिदिन जिला एवं जनपद पंचायत के अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर ग्राम बैठकों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें गांव में स्वच्छता संबंधित कमियों की पहचान कर सुधार करने का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है।

अश्वनी देवांगन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग द्वारा प्रतिदिन मॉडल ग्राम पंचायतों में निरंतर बैठक का आयोजन किये जाने के निर्देश दिये गये है, जिसके परिपालन में ग्राम पंचायत कोडिया, जनपद पंचायत दुर्ग में सार्वजनिक स्थल, बाजार चैक, मोहल्ले मे सम्पूर्ण स्वछता व्यवस्था हेतू ग्राम के सरपंच, सचिव, स्व-सहायता समूह व ग्राम के लोगां से सम्पर्क कर ग्राम मे सम्पूर्ण स्वछता हेतू बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से उस स्थल को चिन्हकित किया गया जहाँ कूड़े का ढेर रहता है। ग्राम के ऐसे स्थल जहाँ पानी का जमाव रहता है, ऐसे स्थानों पर सोख्ता गड्ढा की व्यवस्था बनाना है। उस स्थल के आस पास के लोगो से सम्पर्क कर ग्रामीणां से सुझाव लिया जा रहा है एवं स्वच्छता बनाए रखने हेतु जागरूक किया जा रहा है।

ग्राम कोडिया मे कार्यरत नेहरू यूवा केन्द्र के सदस्यों को ऐसे स्थल को चिन्हकित कर जानकारी एकत्रित करने के लिये प्रेरित किया गया। वर्तमान स्थिति में ग्राम कोडिया के सार्वजनिक स्थलों में सोख्ता गड्ढा निर्मित है, कुछ स्थान पर जीर्णोद्धार कि आवश्यकता है। ग्राम मे घर -घर नल जल कनेक्शन कार्य प्रारंभ करने के साथ-साथ नल जल कनेक्शन उपरान्त सोख्ता गड्ढा निर्माण की योजना तैयार की जा रही है। सरपंच, सचिव को सुझाव दिया गया कि जिस हितग्राही के घर नल जल कनेक्शन लगेगा वे स्वयं सोख्ता गड्ढा निर्माण करेंगे या किचन गार्डन में कनेक्ट करेंगे इसी शर्त मे उन्हें नल जल कि सुविधा प्रदान करने का प्रस्ताव रखा गया है। ऐसे हितग्राही जिनके पास सोख्ता गड्ढा बनाने के लिए जगह नही है उन्हें पाइप लाइन कनेक्ट कर सार्वजनिक स्तर पर सोख्ता निर्माण कर निपटान किया जावेगा। स्वछता व्यवस्था के सुचारु संचालन हेतु ग्राम में स्वच्छता शुल्क लगाये जाने के लिये ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्ताव रखा गया है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत पूरई में उपसरपंच, सचिव , महिला समूह, ग्राम के नागरिको को सम्पूर्ण स्वछता पर पहल करने हेतु ऐसे स्थल का चयन करना जहाँ आमतौर पर सफाई नही रहती है एवं पानी के जमाव वाले स्थल पर सोख्ता गड्ढा निर्माण हेतू प्रस्ताव प्रेषित करने कि जानकारी दी गई है।

### आयुक्त ने शिव नाथ नदी तट पर महाशिवरात्रि कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अधिकारी एवं कर्मचारियों को सौपी जिम्मेदारी

## शिवनाथ तट पर महाआरती के साथ होगा भगवान शिव जी का रुद्राभिषेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** नगर पालिक निगम महाशिवरात्रि की तैयारी को लेकर आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शिवनाथ तट पर हर्षोल्लास के साथ महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। शिवनाथ तट पर कार्यक्रम के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को करने आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा निगम अधिकारी कार्यपालन अभियंता आर. के. पांडेय को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया साथ अधिकारी व कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौपी गई है।

महापौर धीरज बाकलीवाल के निर्देशानुसार शिवनाथ तट पर श्रद्धालुओं की आस्था के तहत् बर्फ का शिव लिंग स्थापित किया जावेगा। 18 फरवरी दिन शनिवार को भव्य शिवनाथ महोत्सव मंडई मेला का आयोजन किया जाएगा। महाशिवरात्रि के इस पावन पर्व पर आयोजित महोत्सव मंडई मेला सुबह 5 बजे दुर्ग शहर की प्राणदायिनी नदी शिवनाथ की महाआरती एवं सुबह 7 बजे महाआरती होगा इस संबंध में सांस्कृतिक विभाग प्रभारी अनूप चंदनिया ने कहा कि रूप-रेखा तैयार कर प्रेषित किया गया है।फुटकर दुकानदारों के लिए

बनेगा स्टाल, आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने शिवनाथ तट पर महाशिवरात्रि पर्व के दौरान शहर की आम जनता को बेहतर सुविधा प्रदान करने की दृष्टि से पर्व मेला का स्वरूप देने नदी मार्ग में छोटे दुकानदारों के लिए स्टाल बनाने के निर्देश दिये हैं। इसके अलावा वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था करने कहा है 7 शिवनाथ तट पर महिला और पुरुष के हिसाब से चेंजिंग रूम बनायें 7 पूरा शिवनाथ परिसर की अच्छे से साफ सफाई करायें। श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था रखें- महापौर धीरज बाकलीवाल ने बताया की आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने शिवनाथ मेले कार्यक्रम के लिए सभी अधिकारी व कर्मचारियों ड्यूटी लगाकर जिम्मेदारी सौपी गई है। वे सभी अपने- अपने कार्यों को पूरी जिम्मेदारी से करें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950